



31.03.2018 तक अतिरिक्त प्रकटीकरण:

भारतीय रिज़र्व बैंक, नए पूँजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क बेसल (II) पर समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करता है। दिशानिर्देशों के संबंध में पिलर III अपेक्षाओं के तहत निर्धारित प्रारूप के अनुसार निम्नलिखित प्रकटीकरण किए गए हैं।

जोखिम प्रबंधन

जोखिम लेना बैंकिंग कारोबार का अभिन्न अंग है। विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया में बैंक कई प्रकार का जोखिम लेते हैं। बैंक द्वारा किए गए प्रत्येक लेन देन से बैंक का रिस्क प्रोफाइल बदलता है। सामान्य कारोबार में बैंक के लिए कई जोखिम हैं जैसे उधार जोखिम, बाजार जोखिम और परिचालनात्मक जोखिम। जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य जोखिम भरे कार्यकलापों से रोकना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि पूरी जानकारी, स्पष्ट उद्देश्य और समझ के साथ जोखिम उठाया गया है ताकि इसका आकलन किया जा सके और शमन किया जा सके। ऐसी जोखिमों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए बैंक ने कई जोखिम प्रबंधन उपाय एवं प्रणालियां तैयार की हैं और इन्हें काम में लाया जा रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने अपनी जोखिम प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाए रखा है जिसमें नीतियां, साधन, तकनीक, प्रबोधन प्रक्रियाएं और प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआइएस) शामिल हैं।

बैंक नियमित आधार पर जोखिम और प्रतिलाभ के बीच उपयुक्त ट्रेड ऑफ प्राप्त करने के जरिए शेरधारकों के मूल्यांकन को अधिकतम करने और बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। बैंक के जोखिम प्रबंधन के उद्देश्यों में जोखिम की उचित पहचान, उसे मापना, प्रबोधन / नियंत्रण और इसका शमन करना शामिल है ताकि बैंक की समग्र जोखिम फिलॉसफी को प्रतिपादित किया जा सके। बैंक द्वारा अपनाई गई जोखिम प्रबंधन नीति जोखिम की स्पष्ट समझ और जोखिम की मांग के स्तर पर आधारित है। बैंक की जोखिम एपिटाइट जोखिम प्रबंधन से संबंधित विभिन्न नीतियों में जोखिम सीमाओं के उपायों के जरिए प्रदर्शित होते हैं।

बैंक ने उपयुक्त जोखिम प्रबंधन संगठन रूपरेखा बैंक में स्थापित कर ली है। निदेशक मंडल की एक उप-समिति, जोखिम प्रबंधन समिति गठित की गई है जो बैंक में ऋण जोखिम, व्यापार जोखिम, परिचालन जोखिम और अन्य जोखिमों के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है। बैंक ने उधार जोखिम प्रबंधन के लिए ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी), बाजार जोखिम प्रबंधन के लिए आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) और बाजार जोखिम के प्रबंधन हेतु अल्को उप समिति, परिचालन जोखिम के प्रबंधन के लिए परिचालन जोखिम प्रबंधन समिति (ओआरएमसी), परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन हेतु उत्पाद/ प्रोसेस जोखिम शमन समिति (पीआरएमसी) तथा सूचना सुरक्षा के प्रबंधन हेतु सूचना सुरक्षा समिति का भी गठन किया है।

बैंक में उत्कृष्ट जोखिम प्रबंधन प्रणाली और व्यवहार के कार्यान्वयन के लिए बैंक के केन्द्रीय कार्यालय में एक पूर्णरूपेण जोखिम प्रबंधन विभाग कार्यरत है जो कारोबार विभागों से अलग है। महा प्रबंधक इस विभाग के प्रभारी हैं जो बैंक में जोखिम प्रबंधन पर समग्र पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी मुख्य जोखिम अधिकारी हैं और सभी आंतरिक जोखिम प्रबंधन समितियों के लिए संयोजक हैं। विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन में मिड ऑफिस तथा उधार समर्थन सेवाएँ विभाग और सामान्यतः अन्य प्रकार्यात्मक विभाग/ शाखा भी जोखिम प्रबंधन कार्य करते हैं तथा नीति जोखिम सीमा रूपरेखा और आन्तरिक अनुमोदनों के पालन / अनुपालन का प्रबोधन करते हैं। जोखिम प्रबंधकों को क्षेत्रीय कार्यालयों/ अंचल कार्यालयों में तैनात किया गया है। विभिन्न एम आइ एस को प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय कार्यालय के जोखिम प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय करने के अलावा वे क्षेत्र/ अंचल स्तरीय ऋण अनुमोदन समिति में सहभागिता करते हैं।

जोखिम का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए मूल एप्रोच इसके प्रारंभिक बिंदु के जोखिम नियंत्रण करने पर निर्भर करती है। बैंक ने 31.3.2008 से प्रभावी पूँजी पर्याप्तता रूपरेखा (बेसल II) का कार्यान्वयन किया था और ये समय - समय पर भारि.बैं. द्वारा जारी दिशानिर्देशों के क्रम में फ्रेमवर्क के अनुपालन में है। बेसल III दिशानिर्देशों की शुरुआत 01.04.2013 से की गई है और बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार पूँजी का अनुरक्षण कर रहे हैं। बेसल II फ्रेमवर्क तीन पारस्परिक सहायक पिलर पर आधारित हैं। संशोधित फ्रेमवर्क का पहला पिलर क्रेडिट, मार्केट और परिचालनात्मक जोखिम के लिए न्यूनतम पूँजी आवश्यकता से संबंधित है। दूसरा पिलर पर्यवेक्षी पुनरीक्षा प्रक्रिया है जो यह सुनिश्चित करता है कि बैंक के पास पर्याप्त पूँजी है ताकि वह अपने कारोबार में सभी प्रकार के जोखिमों का बैंक के जोखिम प्रोफाइल और नियंत्रण वातावरण के साथ शमन कर सकता है। भारि.बैं. की अपेक्षा के अनुरूप बैंक ने आंतरिक पूँजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आइसीएएपी) पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति है ताकि वह दूसरे पिलर की अपेक्षाओं को पूरा कर सके। इस नीति का लक्ष्य उन सभी महत्वपूर्ण जोखिमों का मूल्यांकन प्रथम पिलर जोखिमों के तहत विनियामक निर्धारकों से ऊपर करना है जिसका सामना बैंक करता है और पर्याप्त पूँजी ढाँचा सुनिश्चित करना ताकि आवश्यकताओं की पूर्ति निरंतर होती रहे।

बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 02.12.2013 को जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप एक तनाव जांच नीति/फ्रेमवर्क तैयार किया है जिससे अपवादस्वरूप किन्तु संभाव्य घटनाओं के प्रति संगठन की संभाव्य संवेदनशील स्थिति का पता लगाया जा सके। तनाव परीक्षण और परिदृश्य विश्लेषण, विशेषतः बैंक के भौतिक जोखिम एक्सपोजर के संबंध में, आर्थिक मंदी के समय में किसी पोर्टफोलियो में निहित संभावित जोखिम की पहचान करने और तदनुसार इसका सामना करने के लिए उचित उपाय करने में सहायक होता है। नीतिगत उपायों के अनुसार बैंक आवधिक रूप से बैंक के तुलन-पत्र पर विभिन्न तनाव परीक्षण करता है और आल्को / आरएमसीबी / बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

बोर्ड द्वारा अनुमोदित कारोबार निरंतरता योजना एवं विनाश से उबरने की योजना बनी है। जीरो डाटा लॉस के लिए 3 वे डी आर , सभी 3 डाटा केन्द्रों पर और केन्द्रीय कार्यालय पर , मल्टीपल एम पी एल एस - वी पी एन हाइ बैण्डविथ कनेक्शन , वैकल्पिक सेवा प्रदाता से ड्वेल कनेक्टीविटी और शाखाओं के लिए वैकल्पिक मीडिया की स्थापना की गयी है। फायरवॉल और इन्ट्रूजन डिटेक्शन प्रणाली को कार्यान्वित किया गया है। सूचना सुरक्षा घटनाओं की निगरानी और विश्लेषण करने के लिए सूचना प्रणाली सुरक्षा विभाग (आइ एस सेक्यूरिटी) की स्थापना की गयी है ताकि सुधारात्मक उपाय किए जा सके। जबकि आइ एस लेखापरीक्षा अनुभाग बैंक के विभागों और शाखाओं की आवधिक सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा की देख-रेख करता है। बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार सूचना सुरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाया है। प्रत्येक तिमाही में नियमित रूप से डी आर ड्रिल आयोजित किया जाता है। नेटवर्क सेक्योरिटी को सुनिश्चित करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों द्वारा खतरा विश्लेषण और पेनेट्रेशन टेस्टिंग आयोजित किया जाता है।

बेसल II फ्रेमवर्क के तहत परिकल्पित उन्नत पहलों को माइग्रेट करने के लिए बैंक अपने जोखिम प्रबंधन प्रणाली व प्रक्रिया को उन्नत बनाने की प्रक्रिया में सलग्न है।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने मार्च 2013 से प्रभावी लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन पर अंतिम दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस दिशानिर्देश में विभिन्न स्तरों पर घरेलू व विदेशी परिचालनों समेत समेकित बैंक परिचालनों की तैयारी व प्रस्तुति शामिल है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुपालन में बैंक ने प्रणाली व प्रक्रिया तैयार की है।



ADDITIONAL DISCLOSURES AS ON 31.03.2018

Reserve Bank of India issues guidelines on Basel III Capital Adequacy Framework from time to time. In terms of the guidelines, the following disclosures are made as per the specified Formats under Pillar III requirement:

RISK MANAGEMENT

Risk taking is an integral part of the banking business. Banks assume various types of risks in its activities while providing different kinds of services based on its risk appetite. Each transaction that the Bank undertakes changes the risk profile of the Bank. In the normal course of business, a bank is exposed to various risks including Credit Risk, Market Risk and Operational Risk. The objective of risk management is not to prohibit or prevent risk taking activity, but to ensure that the risks are consciously taken with full knowledge, clear purpose and understanding so that it can be measured and mitigated. With a view to managing such risks efficiently and strengthening its risk management systems, the bank has put in place various risk management measures and practices which include policies, tools, techniques, monitoring mechanism and management information systems (MIS).

The Bank, on a continuous basis, aims at enhancing and maximizing the shareholder values through achieving appropriate trade off between risks and returns. The Bank's risk management objectives broadly cover proper identification, measurement, monitoring, control and mitigation of the risks with a view to enunciate the bank's overall risk philosophy. The risk management strategy adopted by the bank is based on an understanding of risks and the level of risk appetite of the bank. Bank's risk appetite is demonstrated broadly through prescription of risk limits in various policies relating to risk management.

The bank has set up appropriate risk management organization structure in the bank. Risk Management Committee of the Board (RMCB), a sub-committee of the Board, is constituted which is responsible for management of credit risk, market risk, operational risk and other risks in the Bank. The bank has also constituted internal risk management committees namely Credit Risk Management Committee (CRMC) for managing credit risk, Asset Liability Management Committee (ALCO), Funds Committee for managing market risk, Operational Risk Management Committee (ORMC) and Product/Process Risk Mitigation Committee (PRMC) for managing operational risk, and Information Security Committee for managing Information security.

A full-fledged Risk Management department is functioning at the Bank's Central Office, independent of the business departments for implementing best risk management systems and practices in the bank. A Chief Risk Officer in the rank of General Manager of the bank is in charge of the department who is responsible for overall supervision on risk management in the bank and is the convener for all the internal risk management committees. The Mid-Office in Risk Management and Credit Support Services Dept., in particular, and other functional departments/ branches in general also carry out the risk management functions and monitor the adherence/compliance to policies, risk limit framework and internal approvals. Risk Managers have been placed at Regional Offices and Zonal Offices. Apart from coordinating with Risk Management Department, Central Office for submission of

various MIS, they participate in Regional and Zonal Level Credit Approval Committees.

The basic approach to manage risk more effectively lies with controlling the risk at the point of its origination. The bank had implemented the New Capital Adequacy Framework (Basel-II) with effect from 31.3.2008 and is in compliance with the framework, in line with the guidelines issued by the RBI from time to time. Basel III guidelines have been introduced from 01.04.2013, and bank is maintaining capital as per the guidelines. The Basel-II Framework is based on three mutually reinforcing pillars. While the first pillar of the revised framework addresses the minimum capital requirement for credit, market and operational risks, the second pillar of supervisory review process ensures that the bank has adequate capital to address all the risks in their business commensurate with bank's risk profile and control environment. As per RBI Circular, the Bank has put in place a Board approved Policy on Internal Capital Adequacy Assessment Process (ICAAP) to address second pillar requirements. This policy aims at assessing all material risks to which the bank is exposed over and above the regulatory prescriptions under the first pillar risks, and ensuring adequate capital structure to meet the requirements on an ongoing basis.

The bank has formulated a "Stress Testing framework" to assess the potential vulnerability of the organization to exceptional but plausible events in line with the guidelines issued by RBI on 2nd December 2013. Stress testing and scenario analysis, particularly in respect of the bank's material risk exposure, enable identification of potential risks inherent in a portfolio at times of economic recession and accordingly take suitable proactive steps to address the same. In accordance with the policy prescriptions, the bank carries out various stress tests on bank's balance sheet periodically and specific portfolios and places the reports to ALCO/ RMCB / Board.

Board approved Business Continuity Plan and Disaster Recovery plan is in place. The 3 way data centers have been implemented to facilitate Zero data loss, Multiple MPLS-VPN high bandwidth connections at all 3 data Centers and Central, Dual connectivity from different alternate service/ alternate providers and alternate media for branches have been established. Firewall and Intrusion detection systems have been implemented. A Security Operating Centre (SOC) has been established by the Information System Security Department to monitor and analyses the information security incidents to take corrective steps while IS Audit section takes care of the periodical Information Systems Audit of the Bank's department and branches. The bank has fine-tuned the information security systems in accordance with RBI guidelines. Regular DR drills are being conducted every quarter. To ensure Network security, periodical Vulnerability assessment and Penetration testing exercise are conducted by external experts.

The Bank is also in the process of upgrading its risk management systems and procedure for migrating to the advanced approaches envisaged under Basel II framework.

Reserve Bank of India has issued final guidelines on Liquidity Risk Management effective from March 2013. The guideline covers preparation and submission of consolidated bank operations including domestic operations and overseas operations separately at various frequencies. The bank has put in place system and procedure in this regard in compliance with the RBI guidelines.



तरलता कवरेज अनुपात व निवल स्थायी वित्त पोषण अनुपात विषयक भारि.बैं. दिशानिर्देशों के संदर्भ, बैंक जनवरी 2015, इसके बाद भारि.बैं. को एलसीआर दर्ज कर रहा है। एलसीआर का कार्यान्वयन 60 प्रतिशत के न्यूनतम आवश्यक अपेक्षा के साथ 1 जनवरी 2015 से चरणबद्ध किया गया है जो 1 जनवरी 2019 तक धीरे-धीरे 100 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। आरबीआई ने प्रभावी लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन(एनएसएफ़आर) के संबंध में अपने परिपत्र दिनांकित 17.05.2018 में अंतिम दिशानिर्देश जारी किए हैं तथा विनिर्दिष्ट किया है एनएसएफ़आर के लागू किए जाने की तिथि को उचित समय पर घोषित कर देगा। जब कभी भी आरबीआई के द्वारा एनएसएफ़आर के बारे में सूचित किया जाएगा तब बैंक रिपोर्ट कर देगा।

बेसल III ने एक सरल, पारदर्शी व गैर जोखिम आधारित लेवरेज अनुपात की शुरूआत की है, जिसे जोखिम आधारित पूँजी अपेक्षा के लिए विश्वसनीय पूरक उपाय के रूप में कार्य करने के लिए जांचा जाता है। बैंक को भी लेवरेज अनुपात पर नियामक अपेक्षाओं के अनुरूप किया गया है और 30 जून 2013 को समाप्त तिमाही से तिमाही आधार पर भारि.बैं. को रिपोर्ट कर रहा है।

भारि.बैं. ने बैंक द्वारा जून 30 2013 को समाप्त तिमाही के बेसल 3 पूँजी अनुपात के साथ 1 अप्रैल 2013 से प्रभावी चरणबद्ध रूप से कार्यान्वित किए जाने के लिए भारत में बेसल III पूँजी विनियामकों को कार्यान्वयन पर दिशानिर्देश जारी किए हैं। बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार इनका अनुपालन कर रहा है।

1. प्रयोज्यता की संभावना और पूँजी पर्याप्तता

तालिका डीएफ-1: प्रयोज्यता की संभावना

बैंकिंग समूह का नाम जहां यह रूपरेखा लागू होती है

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण

निगमन के देश/ ईकाई का नाम	क्या ईकाई समेकन के लेखाकरण संभावना के अंतर्गत आती है(हाँ/ नहीं)	समेकन की विधि की व्याख्या	क्या ईकाई समेकन के विनियामक संभावना के अंतर्गत आती है(हाँ/ नहीं)	समेकन की विधि की व्याख्या	समेकन की विधि में अंतर के लिए कारणों की व्याख्या	समेकन की संभावना के सिर्फ किसी एक के तहत समेकन किए जाने के कारण की व्याख्या
		बैंक किसी समूह के अंतर्गत नहीं आता है लागू नहीं		लागू नहीं		

(क) समेकन के लिए विचारणीय इकाइयों के समूह की सूची

(ख) लेखाकरण और विनियामक समेकन की दोनों संभावनाओं के तहत समेकन के लिए अविचारणीय इकाइयों के समूह की सूची

निगमन के देश/ ईकाई का नाम	ईकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र ईक्रीटी(विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)	कुल ईक्रीटी में बैंक की धारिता का प्रतिशत	ईकाई के पूँजी लिखतों में बैंक के निवेश के प्रति विनियामक व्यवहार	कुल तुलन पत्र परिसंपत्ति(विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)
		बैंक किसी समूह के अंतर्गत नहीं आता है लागू नहीं		लागू नहीं	

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ग) समेकन के लिए विचारणीय इकाइयों के समूह की सूची

निगमन के देश/ ईकाई का नाम जैसा ऊपर (1) क में इंगति किया गया है	ईकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र ईक्रीटी(विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)	कुल तुलन पत्र परिसंपत्ति(विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)
		लागू नहीं	



With regard to the RBI guidelines on Liquidity Coverage ratio and Net Stable funding ratio, Bank is reporting LCR to RBI from Jan. 2015 onwards. The implementation of the LCR has been phased in from January 1, 2015 with a minimum mandatory requirement at 60 per cent, which will gradually increase to 100 per cent by January 1, 2019. RBI vide their Circular dated 17.05.2018 has issued the final guidelines on Net Stable Funding Ratio (NSFR) and mentioned that the implementation date of NSFR shall be communicated in due course. The bank shall accordingly report NSFR as and when advised by RBI.

Basel III has introduced a simple, transparent and non-risk based leverage ratio, which is calibrated to act as a credible supplementary measure to the risk based capital requirement. Bank has been in compliance with the regulatory requirement on Leverage ratio and reporting to RBI on a quarterly basis from the quarter ending June 30, 2013

Reserve Bank of India has issued guidelines on implementation of Basel III capital regulations in India to be implemented in phased manner effective from April 1, 2013 with Banks disclosing Basel III capital ratios from the quarter ending June 30, 2013. The bank is complying with the same.

The third pillar of Basel-II framework refers to market discipline. The purpose of market discipline is to complement the minimum capital requirements detailed under Pillar 1 and the supervisory review process detailed under Pillar 2. In this context and as guided by RBI a set of disclosure (both qualitative and quantitative) are published in DF 1 to 11 (annexed) with regard to risk management in the bank, which will enable market participants to assess key pieces of information on the (a) scope of application (DF-1), (b) Capital Adequacy (DF-2), (c) Credit Risk: General Disclosures for all banks (DF-3), (d) Credit Risk: Disclosures for Portfolios subject to the Standardized Approach (DF-4), (e) Credit Risk Mitigation: Disclosures for Standardised Approaches (DF-5), (f) Securitisation Exposures: Disclosure for Standardised Approach (DF-6), (g) Market Risk in Trading Book (DF-7), (h) Operational Risk (DF-8), (i) Interest Rate Risk in the Banking Book (IRRBB) (DF-9), (j) General Disclosure for Exposures Related to Counter Party Credit Risk (DF-10), (k) Composition of Capital (DF (11) and (L) Leverage ratio common disclosure template (DF-18). This would also provide necessary information to the market participants to evaluate the performance of the bank in various parameters.

Data Required as per Pillar III disclosure under Basel III

1. Scope of Application and Capital Adequacy

TABLE DF -1: Scope of application

Name of the Banking Group to which the frame work applies

(i) Qualitative disclosures:

Name of the Entity / Country of Incorporation	Whether the entity is included under accounting scope of Consolidation (yes/ no)	Explain the method of consolidation	Whether the entity is included under regulatory scope of Consolidation (yes/ no)	Explain the method of consolidation	Explain the reasons for difference in the method of consolidation	Explain the reasons if consolidated under only one of the scopes of consolidation
		Bank does not belong to any group		NA		

a. List of group entities considered for consolidation: Not applicable

b. List of Group entities not considered for consolidation both under the accounting and regulatory scope of consolidation

Name of the Entity / Country of Incorporation	Principal activity of the entity	Total Balance Sheet Equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	% of the bank's holding in the total equity	Regulatory treatment of the Bank's investments in the capital instruments of the entity	Total Balance Sheet assets (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)
		Bank does not belong to any group	NA		

ii. Quantitative disclosures:

c. List of Group entities considered for consolidation

Name of the Entity / Country of Incorporation (as indicated in (i)a. above)	Principal activity of the entity	Total Balance Sheet Equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	Total Balance Sheet assets (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)
		Not applicable	



(घ) सभी अनुषंगी इकाइयों में पूँजी की कमी की कुल रकम समेकन में शामिल नहीं है यानी जिनकी कटौती की गई है और ऐसी अनुषंगी इकाइयों के नाम

निगमन का/ देशानुगंशी का नाम	ईकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र ईक्विटी (विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)	कुल ईक्विटी में बैंक की धारिता का प्रतिशत	पूँजी की कमी
		लागू नहीं		

(ड) बीमा इकाई में बैंक के कुल हित की औसत रकम (उदाहरण - चालू बही मूल्य) जो जाखिम भारत हैं:

निगमन का देश/ बीमा इकाइयों के नाम	ईकाई का प्रमुख कार्यकलाप	कुल तुलन पत्र ईक्विटी (विधिक ईकाई के लेखाकरण के तुलनपत्र में उल्लिखित)	वोटिंग अधिकार का अनुपात / कुल ईक्विटी में बैंक की धारिता का प्रतिशत	जोखिम भारत प्रक्रिया बनाम पूर्ण कटौती विधि के इस्तेमाल का विनियामक पूँजी पर मात्रात्मक प्रभाव
		लागू नहीं		

(च) बैंकिंग समूह के बीच निधियों या विनियामक पूँजी के अंतरण पर कोई प्रतिबंध या बाधा: लागू नहीं

तालिका डीएफ-2

पूँजी पर्याप्तता

गुणात्मक प्रकटीकरण:

बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (बीसीबीएस) द्वारा जारी किए गए पूँजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क (बेसल I) और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के आधार पर अप्रैल 1992 में भारत के बैंकों ने पूँजी पर्याप्तता उपाय कार्यान्वित किए। आरंभ में यह बेसल फ्रेमवर्क उधार जोखिम के लिए पूँजी की समस्या दूर करने के लिए थी जिसे बाद में बाज़ार जोखिम के लिए पूँजी को शामिल करने के लिए संशोधित किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक ने संगत दिशानिर्देशों का अनुपालन किया।

बाद में बीसीबीएस ने 26 जून 2004 को पूँजी मानकों और पूँजी मापन के अन्तरराष्ट्रीय सम्परिवर्तन, एक परिशोधित फ्रेमवर्क (बेसल II दस्तावेज के रूप में जाना जाता है) जारी किया। व्यापारिक गतिविधियों और दुगुने चूक प्रभावों के समाधान को शामिल करने के लिए नवंबर 2005 में संशोधित फ्रेमवर्क को अद्यतन किया है और इस फ्रेमवर्क के व्यापक रूपांतर को जून 2006 में जारी किया गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक 31-03-2008 से परिशोधित (बेसल II) फ्रेमवर्क में आ चुका है और बेसल II फ्रेमवर्क की अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है।

बैंक ने निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक के केंद्रीय कार्यालय में संबंधित आँकड़ों के आधार पर बाज़ार जोखिम और परिचालनात्मक जोखिम के लिए पूँजी की गणना की है। मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत क्रेडिट जोखिम के लिए पूँजी की गणना में बैंक अपने केन्द्रीय कार्यालय की पोर्टफोलियो से इतर प्रत्येक शाखा से प्राप्त उधारकर्तावार आँकड़ों पर निर्भर है। सभी प्रकार के ऋणों में क्रेडिट जोखिम पूँजी की संगणना भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों में सूचित वर्गीकरण के अनुसार उधारकर्तावार या सुविधा प्रकार आधार पर किया जाता है। इस उद्देश्य के लिए, बैंक ने आंतरिक

सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो शाखाओं के अग्रिम पोर्टफोलियो के उधार जोखिम के लिए पूँजी के हिसाब को सुलभ करता है और सीबीएस के ज़रिए शाखा स्तर, क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय कार्यालय स्तर पर आवश्यक रिपोर्ट उत्पन्न करता है। पूँजी संगणना के विभिन्न पहलुओं तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में समन्वयकों के साथ हुई बातचीत के आधार पर फील्ड स्टाफ को आवधिक रूप से आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि पूँजी संगणना में यथार्थता व पर्याप्तता को सुनिश्चित किया जा सके।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारत में बेसल III पूँजी नियमकों को चरणबद्ध तरीके से लागू किए जाने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं जो 1 अप्रैल 2013 से लागू हैं जहाँ बैंक अपनी 1 अप्रैल 2013 से अपनी बेसल III की पूँजी की घोषणा कर रही हैं। बैंक उपरोक्त दिशानिर्देशों साथ अनुपालन कर रहे हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक कुल जोखिम भारत आस्ति अर्थात जोखिम भारत आस्ति की पूँजी के 9 के न्यूनतम अनुपात को बनाए रखना नियत करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी फ्रेमवर्क 5.5 के न्यूनतम सीईटी के साथ 7 न्यूनतम टियर I सीआरएआर के अनुक्षण की बात करता है। कुल पूँजी (टियर 1 पूँजी + टियर 2 पूँजी) को नियमित आधार पर जोखिम भारत आस्तियों का कम से कम 9 अवश्य होना चाहिए। इस प्रकार 9 की न्यूनतम सीआरएआर के भीतर टियर 2 पूँजी को अधिकतम 2 तक स्वीकार किया जा सकता है। बेसल III के निर्देशों के अनुसार न्यूनतम 9% पूँजी के साथ ही बैंक को प्रत्येक वर्ष 31.03.2016 से 31.03.2019 तक आरडबल्यूए के 0.625% का पूँजी संरक्षण बफर(सीसीबी) भी बनाए रखना होगा उदाहरण के लिए 31.03.2018 को 1.875%। पूँजी संरक्षण बफर को यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि बैंक सामान्य समय(तनाव ग्रस्त समय के अलावा) में अपनी पूँजी को बढ़ा सके जिसे तनाव ग्रस्त समय में हुई हानि के समय इस्तेमाल किया जा सके। बैंक तनाव ग्रस्त है अतः आरबीआई के द्वारा बताए गए सीसीबी को बनाए रखने में अक्षम है।

बैंक की समग्र जोखिम प्रोफाइल के समान परिशोधित फ्रेमवर्क के पिलर 2 आवश्यकताओं के उपाय के रूप में बैंक के संबंधित जोखिम कारकों को ध्यान में रखते हुए बैंक ने आन्तरिक पूँजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया पर नीति और फ्रेमवर्क तैयार किया है। नीति तैयार करते समय बैंक ने



d. The aggregate amount of capital deficiencies in all subsidiaries which are not included in the regulatory scope of consolidation i.e., that are deducted:

Name of the Subsidiaries / Country of Incorporation	Principal activity of the entity	Total Balance Sheet Equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	% of the bank's holding in the total equity	Capital deficiencies
		Not applicable		

e. The aggregate amounts (e.g. current book value) of the Bank's total interests in insurance entities, which are risk weighted:

Name of the insurance entities / Country of Incorporation	Principal activity of the entity	Total Balance Sheet Equity (as stated in the accounting balance sheet of the legal entity)	% of the bank's holding in the total equity/ proportion of voting power	Quantitative impact on regulatory capital of using risk weighting method vs. using the full deduction method
		Not applicable		

f. Any restrictions or impediments on transfer of funds or regulatory capital within the Banking Group:

Not Applicable

Table DF – 2

CAPITAL ADEQUACY

Qualitative disclosures:

Banks in India implemented capital adequacy measures in April 1992 based on the capital adequacy framework (Basel-I) issued by the Basel Committee on Banking Supervision (BCBS) and the guidelines issued by Reserve Bank of India (RBI) from time to time. Initially the Basel framework addressed the capital for credit risk, which was subsequently amended to include capital for market risk. In line with the guidelines issued by the RBI the bank was compliant with the relevant guidelines.

Subsequently, the BCBS released the "International Convergence of Capital Measurement and Capital Standards: A Revised Framework" on June 26, 2004. The Revised Framework was updated in November 2005 to include trading activities and the treatment of double default effects and a comprehensive version of the framework was issued in June 2006.

In line with the RBI guidelines, the Bank had migrated to the revised (Basel-II) framework from 31.3.2008 and continues to be compliant with the requirements of Basel-II framework.

The Bank has computed capital for market risk and operational risk as per the prescribed guidelines at the bank's Central Office, based on the relevant data. In computation of capital for Credit risk under Standardized Approach, the bank has used the borrower-wise data captured directly from system for each individual branch besides portfolios held at Central Office of the bank. In all loan types, the credit risk capital computation is done on borrower basis or facility type basis as per the segmentation approach given in the RBI guidelines. For this purpose, the Bank has developed in-house software, which enables computation of capital for credit risk of the advances portfolio of the branches and generation of the requisite reports at the Branch level, Regional Office level and Central Office level through CBS System. Necessary training is imparted

to the field staff periodically on various aspects of capital computation and close interactions held with the coordinators at Regional Offices, to ensure accuracy and adequacy of data in capital computation.

Reserve Bank of India has issued guidelines on implementation of Basel III capital regulations in India to be implemented in phased manner effective from April 1, 2013 with Banks disclosing Basel III capital ratios from the quarter ending June 30, 2013. The bank has been complying with the same.

RBI has prescribed that banks are required to maintain a minimum total capital (MTC) of 9% of total risk weighted assets (RWAs) i.e. capital to risk weighted assets (CRAR). The framework issued by RBI prescribes maintenance of a minimum Tier-1 CRAR of 7% with a minimum CET 1 of 5.5%. Total Capital (Tier 1 Capital plus Tier 2 Capital) must be at least 9% of RWAs on an ongoing basis. Thus, within the minimum CRAR of 9%, Tier 2 capital can be admitted maximum up to 2%. As per Basel III guidelines, in addition to the Minimum Total Capital of 9.00%, banks are also required to maintain a capital conservation buffer (CCB) of 0.625% of RWAs every year from 31.03.2016 to 31.03.2019 i.e. 1.875% as on 31.03.2018. Capital Conservation Buffer is designed to ensure that banks build up capital buffers during normal times (i.e. outside periods of stress) which can be drawn down as losses are incurred during a stressed period. The bank is under stress and hence, was not able to maintain the CCB as stipulated by RBI.

The Bank has put in place a policy on Internal Capital Adequacy Assessment Process (ICAAP) and the framework in consideration of the relevant risk factors of the bank as a measure towards adequacy of capital available to meet the residual risk as part of Pillar 2 requirements of the revised framework commensurate with the bank's overall risk profile. In framing the policy the bank has taken into consideration the requirements



भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों तथा ओवरसीज़ परिचालन समेत बैंक की जोखिम प्रवृत्ति, जहाँ कही लागू / प्रासंगिक हो, में निर्धारित अपेक्षाओं को ध्यान में रखा है।

बेसल III फ्रेमवर्क के अंश के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक ने लीवरेज अनुपात अवधारणा शुरू की है। लीवरेज अनुपात टायर I पूँजी (कॉमन इक्विटी + अतिरिक्त टायर I) तथा कुल जोखिम (बेसल III के तहत परिभाषितानुसार) का अनुपात है। लीवरेज अनुपात का अनुरक्षण तिमाही आधार पर किया जाना है। प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर संगणना का आधार "पूँजी की परिभाषा (पूँजी उपाय) तथा कुल जोखिम (जोखिम उपाय) पर आधारित है।"

भारतीय रिज़र्व बैंक ने चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) तथा निवल

स्थिर निधीयन अनुपात (एनएसएफआर) जैसी दो न्यूनतम मानकों के संबंध में दिशानिर्देश जारी किया है। संभाव्य चलस्थितियों से संबंधी बाधाएँ उत्पन्न होने पर 30 दिनों तक गंभीर मौद्रिक तनाव की स्थिति से जूझने के लिए बैंक के पास पर्याप्त उच्च गुणवत्तापूर्ण चल आस्तियों को सुनिश्चित करते हुए एलसीआर बैंकों को अल्पकालिक सुदृढ़ता प्रदान करता है। एलसीआर व एनएसएफआर अपीक्षाएँ क्रमशः 1 जनवरी 2015 तथा 1 जनवरी 2018 से बैंकों पर बाध्य होंगी। बैंकों को संक्रमण अवधि प्रदान करने के मद्देनजर कैलेंडर वर्ष 2015 के लिए अपेक्षा न्यूनतम 60% होगी अर्थात् यह 1 जनवरी 2015 से प्रभावी होगी और नीचे दी गई समय सीमा के अनुसार 1 जनवरी 2019 को 100% के न्यूनतम अपेक्षित स्तर को प्राप्त करने के लिए समान चरणों में बढ़ोतरी अपेक्षित है:

	1 जनवरी 2015	1 जनवरी 2016	1 जनवरी 2017	1 जनवरी 2018	1 जनवरी 2019
न्यूनतम एलसीआर	60 %	70 %	80 %	90 %	100 %

31.03.2018 को बैंक का 322.18% था जोकि वर्तमान वित्तवर्ष में आरबीआई के द्वारा बताए गए 80% से कहीं अधिक है। अचानक नकदी के बाहर निकल जाने की स्थिति के लिए बैंक के पास पर्याप्त तरलता है।

(रु. करोड़ में)

31.03.2018 को

मात्रात्मक प्रकटीकरण

क) उधार जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकता	
<ul style="list-style-type: none"> मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुसार पोर्टफोलियो प्रतिभूतिकरण एक्सपोज़र जांचकरण एक्सपोज़र 	<p>9446.44</p> <p>0.00</p>
ख) बाज़ार जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकता:	
<ul style="list-style-type: none"> मानकीकृत आवधिक पहुँच - ब्याज दर जोखिम - विदेशी परिचालन जोखिम - एक्विटी जोखिम 	<p>450.75</p> <p>5.41</p> <p>758.99</p>
ग) परिचालनगत जोखिम के लिए पूँजी आवश्यकता:	
<ul style="list-style-type: none"> मूल संकेतक दृष्टिकोण मानकीकृत दृष्टिकोण 	<p>1180.71</p> <p>--</p>
घ) कुल सामान्य इक्विटी टायर I पूँजी अनुपात	(प्रतशित में)
शीर्ष एकीकृत समूह के लिए तथा	
<ul style="list-style-type: none"> कुल पूँजी अनुपात कुल सीआरएआर (आवेदन के अधीन विवेकपूर्ण तल पर) कुल टायर I पूँजी अनुपात (टायर I सीआरएआर) सामान्य समता टायर आई पूँजी अनुपात 	<p>9.25%</p> <p>9.25%</p> <p>7.14%</p> <p>6.39%</p>

तालिका डीएफ-3

उधार जोखिम : सभी बैंकों के लिये सामान्य प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण:

उधार जोखिम उधारकर्ताओं या प्रतिपक्षियों की ऋण गुणवत्ता में हास से जुड़ी हानियों की संभावना है। बैंक के पोर्टफोलियो में उधार जोखिम अधिकांशतः बैंक के उधार क्रियाकलापों तथा बैंक के विश्व संबंधी कार्यकलापों से उत्पन्न

होता है यदि उधारकर्ता/प्रतिपक्षी ऋणदाता/निवेशक के प्रति अपनी वित्तीय बाध्यताओं को पूरा नहीं कर पाता है। यह उधारकर्ता या प्रतिपक्षियों की उधार गुणवत्ता / साख में संभाव्य परिवर्तनों से उत्पन्न होता है। उधार जोखिम में काउंटर पार्टी जोखिम और देश जोखिम भी शामिल हैं।

उधार रेटिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया

बैंक उधारकर्ता और पोर्टफोलियो स्तर पर जोखिम के निरन्तर मापन व



prescribed by the RBI in their guidelines and bank's risk appetite.

As part of Basel III framework RBI has introduced Leverage Ratio concept. The leverage ratio is the ratio of Tier-1 capital (Common Equity + Additional Tier I) and total exposure (as defined under Basel III). The leverage ratio has to be maintained on a quarterly basis. Banks operating in India are required to make disclosure of the leverage ratio on quarterly basis and its components from April 1, 2015 on a quarterly basis.

liquidity Coverage Ratio (LCR) and Net Stable Funding Ratio (NSFR) for funding liquidity. The LCR promotes short term resilience of banks to potential liquidity disruptions by ensuring that bank have sufficient high quality liquid assets (HQLA) to survive an acute stress scenario lasting for 30 days. With a view to providing transition time for banks, the requirement would be minimum of 60% for the calendar year 2015 i.e with effect from January 1, 2015 and rise in equal measure to reach the minimum required level of 100% on January 1, 2019 as per the time line given below:

RBI has issued guidelines on two minimum standards Viz. Li-

	January 1, 2015	January 1,2016	January 1,2017	January 1,2018	January 1,2019
Minimum LCR	60%	70%	80%	90%	100%

LCR for the bank as on 31.03.2018 stood at 322.18% which is well above the RBI stipulated level of 80% for the current calendar year. Bank is having enough liquidity to meet sudden cash outflows.

(Rs. in crore)

As on 31.03.2018

Quantitative disclosures:

a) Capital requirements for credit risk <ul style="list-style-type: none"> • Portfolios subject to standardised approach • Securitisation exposures 	9446.44 NIL
b) Capital requirements for market risk: <ul style="list-style-type: none"> • Standardised duration approach <ul style="list-style-type: none"> - Interest rate risk - Foreign Exchange risk (including gold) - Equity risk 	450.75 5.41 758.99
c) Capital requirements for operational risk <ul style="list-style-type: none"> • <u>Basic indicator approach</u> • The Standardised Approach 	1180.71 --
d) Common Equity Tier 1 Capital Ratio: For the top consolidated group; and <ul style="list-style-type: none"> • Total Capital Ratio (CRAR) • Total CRAR (Subject to application of Prudential Floor) • Total Tier I Capital Ratio (Tier I CRAR) • Common Equity Tier-I Capital Ratio 	(in Percentage) 9.25% 9.25% 7.17% 6.39%

Table DF - 3

CREDIT RISK: GENERAL DISCLOSURES FOR ALL BANKS

Qualitative disclosures:

Credit Risk is the possibility of losses associated with diminution in the credit quality of borrowers or counter parties. In a Bank's portfolio, Credit Risk arises mostly from lending and investment activities of the Bank if a borrower / counterparty

is unable to meet its financial obligations to the lender/investor. It emanates from changes in the credit quality/worthiness of the borrowers or counter parties. Credit risk also includes counterparty risk and country risk.

Credit rating and Appraisal Process:

The Bank manages its credit risk through continuous measuring and monitoring of risks at obligor (borrower) and portfolio



प्रबोधन के ज़रिए अपने उधार जोखिम का प्रबंधन करता है। बैंक में मजबूत आंतरिक उधार रेटिंग फ्रेमवर्क और सुस्थापित मानकीकृत उधार मूल्यांकन / अनुमोदन प्रक्रिया है। उधार रेटिंग एक उत्प्रेरक प्रक्रिया है जो बैंक को प्रस्ताव गुणों और अवगुणों के मूल्यांकन में सहायक है। यह निर्णय लेने में सहायक साधन है जो किसी उधार प्रस्ताव की स्वीकार्यता पर विचार करने में बैंक की सहायता करती है।

रेटिंग मॉडल कारक मात्रात्मक और गुणात्मक गुण जैसे जोखिम घटकों से संबंधित हैं जैसे उद्योग जोखिम, व्यापार जोखिम, प्रबंधन जोखिम, वित्तीय जोखिम, परियोजना जोखिम (जहाँ लागू हो) और सुविधा जोखिम इत्यादि। उद्योग क्रिसिल आधारित बाजार स्थितियों के जोखिम पर डेटा नियमित रूप से अद्यतन / समर्थित है।

बैंक ने 02.01.2017 से लागू पुष्पका(वाहन ऋण) के लिए तथा मूल्य के संबंध में गैरजमानती ऋण तथा गृह ऋण "खुदरा में स्कोर करने का तंत्र" लागू किया है।

बैंक ऋणों तथा अग्रिमों की मंजूरी के लिए एक सुस्पष्ट परिभाषित बहु स्तरीय विवेकाधिकार संरचना का अनुसरण करता है। उपयुक्त मंजूरीकर्ता प्राधिकर्ताओं को नए / संवर्धित प्रस्तावों पर विचार करने के लिए अपवाद स्वरूप बड़ी शाखाओं / क्षेत्रीय कार्यालयों / अंचल/ केन्द्रीय कार्यालय में सभी स्तरों पर अनुमोदन ग्रिड गठित किया गया है। शाखा प्रबंधकों को विशिष्ट मंजूरी शक्तियाँ प्रदान की गई है।

बैंक द्वारा आरंभ किए गए नए उत्पाद/ प्रक्रिया/ सेवाएँ तथा वर्तमान उत्पाद/ प्रक्रिया/ सेवाओं में संशोधन से पहले नए उत्पाद/प्रक्रिया में निहित जोखिम प्रकार पर आधारित केन्द्रीय कार्यालय स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा जांचे की जाती हैं। फिर उत्पाद / प्रक्रिया / सेवा लॉन्च करने से पहले इसकी

जांच मुख्य कार्यालय स्तर पर हाल ही में शुरू की गई दो नई जांच समितियों नामतः उत्पाद / प्रक्रिया जोखिम कमी समिति (पीआरएमसी) और बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग कमेटी (बीपीआर) के द्वारा की जाती है।

उधार जोखिम प्रबंधन नीतियाँ

बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित सुसंरचित ऋण नीति और उधार जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है। इस नीति में संगठन की संरचना, भूमिका और उत्तरदायित्व और उन प्रक्रियाओं का उल्लेख है जहाँ बैंक द्वारा वहन किए जाने वाले ऋण जोखिम को पहचाना जा सकता है, उसकी मात्रा का अनुमान लगाया जा सकता है और फ्रेमवर्क के अंदर प्रबंधन किया जा सकता है जिसे बैंक अपने अधिदेश और जोखिम सहन करने की क्षमता के साथ निरन्तर जोखिम मानता है। उधार जोखिम का प्रबोधन बैंक द्वारा बैंक वाइड आधार पर किया जाता है और बोर्ड / आरएमसीबी द्वारा जोखिम सीमाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। सीपीसी बैंक की जोखिम वहन क्षमता को हिसाब में लेता है और तदनुसार सुरक्षा, तरलता, विवेकपूर्ण मानदण्डों, एक्सपोजर सीमाओं से संबंधित मामलों को संभालता है।

बैंक ने उत्कृष्ट उधार जोखिम प्रबंधन व्यवहार स्थापित करने के लिए उपाय किए हैं। उधार जोखिम प्रबंधन नीति ऋण के अतिरिक्त निधि एवं निवेश नीति, प्रतिपक्षी जोखिम प्रबंधन नीति और देशीय जोखिम प्रबंधन नीति आदि तैयार की है जो बैंक में उधार जोखिम के प्रबोधन का आंतरिक भाग है। इसके अतिरिक्त बैंक ने संपार्श्विक प्रबंधन और उधार जोखिम कम करने की नीति भी कार्यान्वित की गई है जो बैंक द्वारा सामान्यतः स्वीकार की जाने वाली प्रतिभूतियों (प्रधान और संपार्श्विक) के विवरण और बैंक के हित की रक्षा के लिए ऐसी प्रतिभूतियों के प्रशासन के विवरण निर्धारित करती है। वर्तमान में, कुछ विशिष्ट प्रतिभूतियाँ उन उधार जोखिमों को कम करती हैं जो बैंक को वहन करना पड़ सकता है।

(रूपये करोड़ में)

मात्रात्मक प्रकटीकरण	31.03.2018
1) कुल सकल क्रेडिट जोखिम एक्सपोजर:	
निधि आधारित	220123.13
गैर निधि आधारित	16480.22
कुल	236603.35
2) भौतिक वितरण एक्सपोजर:	
• घरेलू	
निधि आधारित	138516.18
गैर निधि आधारित	21888.87
• विदेशी	
निधि आधारित	12483.11
गैर निधि आधारित	1480.22
3) एक्सपोजर, फंड आधारित और गैर-निधि अलग-अलग उद्योग प्रकार	अनुबंधित
4) परिसंपत्तियों की अवशिष्ट संविदात्मक परिपक्वता ब्रेकडाउन	अनुबंधित



level. The Bank has a robust internal credit rating framework and well-established standardized credit appraisal / approval process. Credit rating is a facilitating process that enables the bank to assess the inherent merits and demerits of a proposal. It is a decision enabling tool that helps the bank to take a view on acceptability or otherwise of any credit proposal.

The rating models factor quantitative and qualitative attributes relating to Risk components such as Industry Risk, Business Risk, Management Risk, Financial Risk, Project risk (where applicable) and Facility Risk etc. The data on industry risk is regularly updated/ supported by CRISIL based on market conditions.

Bank has implemented "Retail Scoring Models" for Pushpaka (Vehicle Loan), Clean Loan and Housing loan irrespective of the amount w.e.f 02.01.2017.

The bank follows a well-defined multi layered discretionary power structure for sanction of loans and advances. Approval Committees has been constituted at all levels covering Exceptionally Large branch / RO/ ZO / CO for recommending fresh/ enhancement proposal to appropriate sanctioning authorities. Specific Sanctioning Powers have been delegated to Branch Managers.

The new Products/Process/Services introduced by Bank and Modification of existing Product/Process/Services are examined at the head office level by Risk Management Department depending upon the type of risks involved in the new product / process. Then it shall be examined by newly introduced two committees at head office level namely Product/Process Risk Mitigation Committee (PRMC) and Business Process Re-engi-

neering committee (BPR) before launching product/process/ service.

Credit Risk Management Policies:

The bank has put in place a well-structured loan policy and credit risk management policy duly approved by the Board. The policy document defines organizational structure, role and responsibilities and processes whereby the Credit Risk carried by the Bank can be identified, quantified and managed within the framework that the Bank considers consistent with its mandate and risk tolerance. Credit risk is monitored by the bank on a bank-wide basis and compliance with the risk limits approved by Board / RMCB is ensured. The Credit Risk Management Committee (CRMC) takes into account the risk tolerance level of the Bank and accordingly handles the issues relating to Safety, Liquidity, Prudential Norms and Exposure limits.

The bank has taken earnest steps to put in place best credit risk management practices in the bank. In addition to Loan Policy and Credit Risk Management Policy, the bank has also framed Funds and Investment Policy, Counter Party Risk Management Policy and Country Risk Management Policy etc., which form integral part of monitoring of credit risk in the bank. Besides, the bank has implemented a policy on collateral management and credit risk mitigation which lays down the details of securities (both prime and collateral) normally accepted by the Bank and administration of such securities to protect the interest of the bank. Presently, some select securities act as mitigation against credit risk (in capital computation), to which the bank is exposed.

(Rs. in crore)

Quantitative disclosures:	31.03.2018
a) Total gross credit risk exposures:	
Fund based	220123.13
Non fund based	16480.22
Total	236603.35
b) Geographic distribution of exposures :	
• Domestic	
Fund based	138516.18
Non Fund based	21888.87
• Overseas	
Fund based	12483.11
Non Fund based	1480.22
c) Industry type distribution of exposures, fund based and non-fund based separately	Annexed
d) Residual contractual maturity breakdown of assets	Annexed



5) एनपीए का मूल्य (कुल)	38180.15
• अवमानक	8032.60
• संदिग्ध (डी1, डी2, डी3)	29507.51
• हानि	640.04
6) निवल एनपीए	20399.66
7) एनपीए अनुपात	
• कुल अग्रिमों पर कुल एनपीए	25.28%
• निवल एनपीए पर निवल एनपीए	15.33%
8) एनपीए की प्रवृत्ति (कुल)	
• शुरुआती बकाया(01.04.2017)	35098.26
• जोड़	16824.79
• घटाव	13742.90
• अंतिम बकाया (31.03.2018)	38180.15

मात्रात्मक प्रकटीकरण :	31.03.2018
6) एनपीए के लिए प्रावधानों का प्रचलन	
• प्रारंभिक शेष (01.04.2017)	14149.97
• अवधि के दौरान किए गये प्रावधान	4889.81
• बट्टे खाते में डाला गया अतिरिक्त प्रावधानों का प्रलेखन	4239.46
• अंतिम शेष (31.03.2018)	17333.78
7) अनर्जक निवेशों की राशि (बही मूल्य)	1647.59
8) अनर्जक निवेशों के लिए किए गए प्रावधानों की राशि	1245.99
9) निवेशों पर मूल्य हास के लिए प्रावधान का उतार - चढाव	
• प्रारंभिक शेष (01.04.2017)	762.18
• अवधि के दौरान किए गये प्रावधान	892.70
• बट्टे खाते में डाला गया	-
• अतिरिक्त प्रावधानों का प्रतिलेखन	46.99
• अंतिम शेष (31.03.2018)	1607.89

1. आस्तियों का अवशिष्ट संविदागत परिपक्वता ब्रेकडाउन

(रू. करोड़ों में)

विवरण	रकम
दिन 1	12559.79
2 दिन - 7 दिन	11913.52
8 दिन - 14 दिन	3994.00
15 दिन - 30 दिन	5577.67
31 दिन - 2 माह	12435.94
2 माह - 3 माह	15854.20
3 माह - 6 माह	24742.25
>6 माह - 12 माह	37268.07
>1 वर्ष - 3 वर्ष	34035.01
>3 वर्ष - 5 वर्ष	17866.88
> 5 वर्ष	83445.87



e) Amount of NPAs (Gross)	38180.15
• Substandard	8032.60
• Doubtful (D1, D2, D3)	29507.51
• Loss	640.04
f) Net NPAs	20399.66
g) NPA Ratios	
• Gross NPAs to gross advances	25.28%
• Net NPAs to net advances	15.33%
h) Movement of NPAs (Gross)	
• Opening balance (01.04.2017)	35098.26
• Additions	16824.79
• Reductions	13742.90
• Closing balance (31.03.2018)	38180.15
i) Movement of provisions for NPAs	
• Opening balance (01.04.2017)	14149.97
• Provisions made during the period	4889.81
• Write off / Write back of excess provisions	4239.46
• Closing balance (31.03.2018)	17333.78
j) Amount of Non-Performing Investments (Book Value)	1647.59
k) Amount of provisions held for non-performing investments	1245.99
l) Movement of provisions for depreciation on investments	
• Opening Balance (01.04.2017)	762.18
• Provisions made during the period	892.70
• Write-off	-
• Write-back of excess provisions	46.99
• Closing Balance (31.03.2018)	1607.89

Residual contractual Maturity break down of Assets

(Rs. in crore)

Particulars	Amount
Day 1	12559.79
2 Days – 7 Days	11913.52
8 Days – 14 Days	3994.00
15 Days – 30 Days	5577.67
31 Days – 2 Months	12435.94
2 Months – 3 Months	15854.20
3 Months – 6 Months	24742.25
>6 Months – 12 Months	37268.07
> 1 Year – 3 Years	34035.01
>3 Years – 5 Years	17866.88
> 5 Years	83445.87



2. उद्योगवार प्रकटीकरण

(रू. करोड़ों में)

उद्योग का नाम	31.03.2018 को बकाया
खनन व केरियिंग	3078.60
खाद्य प्रसंस्करण	631.81
उनमें से चीनी	55.92
उनमें से खाद्य तेल व वनस्पति	555.62
बेवरेज़ व तंबाकू उत्पाद	78.75
सूती वस्त्र	1995.00
जूट वस्त्र	5.06
हस्तशिल्प/ खादी (गैर प्राथमिक)	122.49
अन्य वस्त्र उद्योग	2055.47
चमड़ा व चमड़ा उत्पाद	544.49
लकड़ी व लकड़ी उत्पाद	567.68
कागज व कागज उत्पाद	528.72
पेट्रोलियम (गैर- इंफ्रा) , कोयलान उत्पाद (गैर- खनिज) एवं नाभिकीय इंधन	822.40
रसायन व रसायन उत्पाद (डाइ, पेंटस, इत्यादि)	2154.91
उनमें से उर्वरक	96.35
उनमें से औषधि और फार्मास्युटिकल	679.08
उनमें से अन्य	1379.48
रबर , प्लास्टिक और उनके उत्पाद	960.95
ग्लास एवं ग्लासवेयर	133.14
सीमेंट एवं सीमेंट उत्पाद	827.01
लौह एवं स्टील	9965.41
अन्य धातु एवं धातु उत्पाद	1474.90
सभी इंजीनियरिंग	4291.31
उनमें से इलेक्ट्रॉनिक्स	1155.45
वाहन , वाहन के भाग , परिवहन साधन	2139.377
रत्न व आभूषण	1311.06
निर्माण	1084.57
इंफ्रास्ट्रक्चर	22028.27
उनमें से रोडवेज़	8925.67
उनमें से शक्ति	12167.35
उनमें से तार संचार	935.25
अन्य उद्योग	5011.45
अवशिष्ट अन्य अग्रिम	89186.47
उनमें से उड्डयन क्षेत्र के लिए	1015.22
कुल ऋण व अग्रिम	150999.29



INDUSTRY WISE EXPOSURES

(Rs. in crore)

Industry Name	Outstanding as on 31.03.2018
Mining and quarrying	3078.60
Food Processing	631.81
Of which Sugar	55.92
Of which Edible Oils and Vanaspati	555.62
Beverages and Tobacco	78.75
Cotton Textiles	1995.00
Jute Textiles	5.06
Handicraft/ Khadi (Non Priority)	122.49
Other Textiles	2055.47
Leather and Leather Products	544.49
Wood and Wood Products	567.68
Paper and Paper Products	528.72
Petroleum (non-infra), Coal Products (non-mining) and Nuclear Fuels	822.40
Chemicals and Chemical Products (Dyes, Paints, etc.,)	2154.91
Of which Fertilisers	96.35
Of Which Drugs and Pharmaceuticals	679.08
Of which Others	1379.48
Rubber, Plastic and their products	960.95
Glass & Glassware	133.14
Cement and Cement Products	827.01
Iron and Steel	9965.41
Other Metal and Metal Products	1474.90
All Engineering	4291.31
Of which Electronics	1155.45
Vehicles, Vehicle Parts and Transport Equipments	2139.377
Gems and Jewellery	1311.06
Construction	1084.57
Infrastructure	22028.27
Of which Roadways	8925.67
Of which Energy	12167.35
Of which Telecommunications	935.25
Other Industries	5011.45
Residuary Other Advances	89186.47
Of which Aviation Sector	1015.22
Total Loans and Advances	150999.29



तालिका डीएफ -4

उधार जोखिम: मानकीकृत दृष्टिकोण के अनुरूप पोर्टफोलियो के लिए प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण:

सामान्य सिद्धान्त

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने से उधार जोखिम के लिए पूंजी के परिकलन के लिए बेसल II पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क के मानकीकृत दृष्टिकोण को अपना लिया है। पूंजी के परिकलन में बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा समय - समय पर निर्धारित अनुसार जोखिम भारों को विभिन्न आस्ति प्रवर्गों में आबंटित कर दिया है।

बाहरी उधार रेटिंग

पूंजी पर्याप्तता फ्रेमवर्क (बेसल II) के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देशों को देखते हुए बाहरी उधार रेटिंग एजेंसियों (ईसीआरए) द्वारा उधारकर्ताओं की रेटिंग का महत्व बढ़ गया है। बाहरी रेटिंग के आधार पर कापरेट / पीएसई / प्राइमरी डीलरों को एक्सपोज़र को जोखिम भार आबंटित किया गया है। इसके लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को सात देशीय ईसीआरए जैसे उधार विश्लेषण और शोध लि.(सीएआरई),क्रिसिल लि, फिच इंडिया (इंडिया रेटिंग्स के रूप में पुनर्नामित) लि.और इकरा लि.,ब्रिकवर्क्स रेटिंग सर्विसेज़ लि. ,छोटे एवं मध्यम उद्यम रेटिंग एजेंसी लि. (एसएमईआरए) और इंफोमेरिकस मूल्यांकन एवं रेटिंग प्राइवेट लिमिटेड (इंफोमेरिकस) की रेटिंग का प्रयोग करने की अनुमति दी है।

उपरोक्त के मद्देनजर बैंक ने पूंजी राहत के उद्देश्य से इन सभी ईसी आर ए द्वारा प्रदत्त रेटिंग को स्वीकार करने का निर्णय किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकिंग बही में तुलनात्मक आस्ति पर पब्लिक ईश्यू की मैपिंग के लिए प्रावधान किया है। तथापि यह विशेष प्रावधान उधार जोखिम पूंजी की गणना में नहीं लिया जाता है।

बैंक पूंजी परिकलन उद्देश्यों के लिए केवल प्रार्थित बाहरी रेटिंग्स का उपयोग करता है। 15 महीनों के दौरान दी गई नई या पुनरीक्षित रेटिंग को ही बैंक द्वारा पूंजी के अभिकलन के लिए हिसाब में लिया जाता है।

मात्रात्मक प्रकटीकरण :

आंतरिक क्रेडिट रेटिंग :

किसी उधारकर्ता से जुड़ी हुई उधार जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए बैंक में सुसंरचित आन्तरिक उधार रेटिंग प्रणाली है और तदनुसार प्रस्तावों की स्वीकार्यता और एक्सपोज़र का स्तर तथा कीमत निर्धारण के संबंध में उधार निर्णय लेने के लिए भी प्रणाली है। बैंक ने नए खातों के मामले में प्रवेश स्तर पर रेटिंग निर्धारित किया है। प्रवेश स्तर पर से कम रेटिंग वाले खातों पर निर्धारित प्रत्यायोजित शक्तियों के अनुसार उच्च प्राधिकारी के द्वारा ही विचार किया जाएगा।

वर्तमान, पूंजी परिकलन के मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत जोखिम भार के अनुप्रयोग के लिए ऐसी रेटिंग को काम में नहीं लाया जा सकता। साथ ही साथ बैंक ने उधार जोखिम के लिए पूंजी का परिकलन करते समय, बैंक की अनुमोदित बाहरी उधार रेटिंग एजेंसियों द्वारा आबंटित उधारकर्ता की ऋण एक्सपोज़र रेटिंग को कापरेट और पीएसई के तहत 31.3.2018 तक लिया है।

कापरेट / पीएसई के विशेष निर्गमों में निवेश के मामले में अनुमोदित बाहरी उधार रेटिंग एजेंसी की किसी निर्गम विशेष के लिए रेटिंग को हिसाब में लिया जाता है और तदनुसार भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों में दी गई रेटिंग स्केल की समवर्ती वित्तीय स्थिति के बाद जोखिम भार का अनुप्रयोग किया जाता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार विदेश में दिए गए उधारों के पूंजी परिकलन के उद्देश्य से फिच, मूडीस और एस एण्ड पी अन्तरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों, जो भी उपलब्ध हो, द्वारा आबंटित रेटिंग का प्रयोग किया गया है।

मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत पूंजी के परिकलन के अनुरूप बाहरी रेटिंग द्वारा भारत में एक्सपोज़र के कवरेज के संबंध में प्रक्रिया को उधारकर्ताओं के बीच प्रचलित किया जाना है ताकि अपने ग्राहकों की बेहतर रेटिंग के लिए उपलब्ध पूंजी राहत का लाभ उठाया जा सके जिसमें कुछ समय लग सकता है। उधारकर्ताओं द्वारा अपने कारोबार विकास के लिए बाहरी रेटिंग को अवसर के रूप में लेना चाहिए।

(रू. करोड़ में)

वर्गीकरण	कम करने के पश्चात एक्सपोज़र (मएएड)	बाहरी रेटिंग के अधीन कवर्ड इएएम	रेटिंग नहीं की गई
अग्रिम/निवेश			
100% जोखिम भार से कम	102432.24	15228.43	87203.81
100% जोखिम भार	54547.68	9995.12	44552.56
100% से अधिक जोखिम भार	14255.13	1626.16	12628.97
घटाएँ	0.00	0.00	0.00
कुल	171235.05	26849.71	144385.35
अन्य आस्तियाँ			
100% जोखिम भार से कम	25871.42	3565.78	22305.65
100% जोखिम भार	1809.53	0.00	1809.53
100% से अधिक जोखिम भार	6.61	0.00	6.61
घटाएँ	0.00	0.00	0.00
कुल	27687.56	3565.78	24121.78



Table DF - 4

CREDIT RISK: DISCLOSURES FOR PORTFOLIOS SUBJECT TO THE STANDARDISED APPROACH

Qualitative disclosures:

General Principle:

In accordance with the RBI guidelines, the Bank has adopted Basel II Capital Adequacy Framework for computation of capital for credit risk. In computation of capital, the bank has assigned risk weight to different asset classes as prescribed by the RBI from time to time.

External Credit Ratings:

Rating of borrowers by External Credit Rating Agencies (ECRAs) assumes importance in the light of Guidelines for implementation of the Basel II Capital Adequacy Framework. Exposures on Corporates / Public Sector Enterprises/ Primary Dealers are assigned with risk weights based on available external ratings. For this purpose, the Reserve Bank of India has permitted Banks to use the ratings of seven domestic ECRAs viz. Credit Analysis and Research Ltd (CARE), CRISIL Ltd, India Ratings (formerly known as FITCH India), ICRA Ltd, Brickworks Rating Services India Ltd., Small Medium Enterprises Rating Agency Ltd (SMERA) and INFOMERICS Valuation and Rating Pvt. Ltd. (INFOMERICS).

In consideration of the above, the Bank has decided to accept the ratings assigned by all these ECRAs for capital relief purpose. The RBI has provided for mapping public issue ratings on to comparable assets into banking book. However, this particular provision has not been taken into account in Credit Risk Capital Computation.

The bank uses only solicited external ratings for capital computation purpose. External ratings assigned fresh or reviewed during the previous 15 months are reckoned for capital computation by the bank.

Quantitative disclosures:

(Rs. in crore)

Classification	Exposure after Mitigation (EAM)	EAM covered under External Rating	Unrated
ADVANCES / INVESTMENT			
Below 100% risk weight	102432.24	15228.43	87203.81
100% risk weight	54547.68	9995.12	44552.56
More than 100% risk weight	14255.13	1626.16	12628.97
Deducted	0.00	0.00	0.00
TOTAL	171235.05	26849.71	144385.35
OTHER ASSETS			
Below 100% risk weight	25871.42	3565.78	22305.65
100% risk weight	1809.53	0.00	1809.53
More than 100% risk weight	6.61	0.00	6.61
Deducted	0.00	0.00	0.00
TOTAL	27687.56	3565.78	24121.78

Internal Credit Rating:

The bank has a well structured internal credit rating mechanism to evaluate the credit risk associated with a borrower and accordingly the systems are in place for taking credit decision as regards the acceptability of proposals and level of exposures and pricing. The bank has prescribed entry level rating in case of new accounts. Accounts with ratings below the prescribed rating entry level can be considered only by higher authorities as per the delegated powers prescribed.

Presently, the internal ratings cannot be used for application of risk weight under Standardised Approach of capital computation. The bank takes into consideration the borrower's loan exposure credit ratings assigned by the approved ECRAs while computing the capital for credit risk as on 31.03.2018 under corporate and PSE segments.

In case of investment in particular issues of Corporates / PSEs, the issue specific rating of the approved ECRAs are reckoned and accordingly the risk weights have been applied after a corresponding mapping to rating scale provided in RBI guidelines.

For the purpose of capital computation of overseas exposures, ratings assigned by the international rating agencies namely Fitch, Moody's and Standard & Poor's are used as per RBI guidelines.

In the context of coverage of exposures in India by external ratings as relevant for capital computation under Standardised Approach, the process needs to be popularized among the borrowers so as to take the benefit of capital relief available for better-rated customers. The borrowers need to consider the external rating as an opportunity for their business development, which would take some time.



तालिका डीएफ - 5

उधार जोखिम कम करना : मानकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

उधार जोखिम को कम करने पर नीति

विनियामक अपेक्षाओं के अनुरूप संपार्श्विक प्रतिभूति प्रबंधन तथा उधार जोखिम को कम करने के तकनीक पर बहुत ही स्पष्ट नीति बैंक द्वारा बनाई गई है जो बैंक के मंडल द्वारा विधिवत् अनुमोदित है। नीति में बैंक द्वारा ऋण देते समय सामान्यतः स्वीकार की गई प्रतिभूतियों के प्रकार तथा इसके साथ जुड़े हुए जोखिम को कम करने के बारे में उल्लेख है ताकि बैंक के हित की सुरक्षा / रक्षा हो तथा ऐसी प्रतिभूतियों का प्रशासन / प्रबोधन भी हो।

मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत उधार जोखिम कम करना

क) पात्र वित्तीय संपार्श्विक :

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा सूचितानुसार, बैंक ने मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत उधार जोखिम कम करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाया है, जो उधार जोखिमों के प्रति प्रतिभूतियों (मूल तथा संपार्श्विक) को संपूर्ण रूप से ऑफसेट करने के लिए अनुमति देता है जिससे प्रतिभूतियों पर आरोपित मूल्य द्वारा जोखिम राशि को प्रभावी ढंग से घटाया जा सकता है। अतः पात्र वित्तीय संपार्श्विक प्रतिभूतियों का उधार जोखिम पूँजी के परिकलन में उधार जोखिम को कम करने के लिए पूरा-पूरा उपयोग किया जा सकता है।

ख) ऑन बैलेंस शीट नेटिंग :

उधार जोखिम कम करने की तकनीकों तथा संपार्श्विक प्रबंधन के उपयोग गुणात्मक प्रकटीकरण

पर बैंक की नीति के अनुसार उधारकर्ता के ऋण/ अग्रिमों के प्रति उपलब्ध जमाओं की हद तक ऑन बैलेंस शीट नेटिंग की गणना की गई है (ऋण की अधिकतम हद तक), जहाँ बैंक ने भा.रि.बैं. द्वारा निर्धारित दस्तावेज़ के प्रमाण के साथ विशिष्ट ग्रहणाधिकार शामिल करते हुए विधिक लागू नेटिंग व्यवस्थाएँ कीं। ऐसे मामलों में पूँजी गणना निवल उधार एक्सपोज़र के आधार पर किया जाता है।

ग) पात्र गारंटियां

आगे उधार जोखिम पूँजी के परिकलन में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप जोखिम कम करने के लिए "मान्य गारंटियों" के प्रकार इस प्रकार हैं - क) केंद्र सरकार की गारंटी (0%) ख) राज्य सरकार (20%) ग) सीजीटीएमएसई (0%) घ) ईसीजीसी (20%) ङ) साख-पत्र के अधीन खरीदे / बट्टे खाते में डाले गए बिलों के रूप में बैंक गारंटी (दिशानिर्देशों के अनुसार देशी और विदेशी दोनों)

बैंक ने उधार जोखिम को कम करने के मामले में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विधिक निश्चितता के अनुपालन को सुनिश्चित किया है।

उधार जोखिम को कम करने में संकेंद्रीकरण जोखिम

बैंक द्वारा मानकीकृत दृष्टिकोण के तहत पूँजी की गणना के लिए कई प्रकार के शामक उपाय वाली नीतियां व प्रक्रिया उपलब्ध हैं। उधार जोखिम को कम करने के लिए पात्र सभी प्रकार की प्रतिभूतियाँ (वित्तीय संपार्श्विक) आसानी से उगाही लायक वित्तीय प्रतिभूतियाँ हैं। वर्तमान में बैंक प्रयुक्त क्रेडिट जोखिम शमन में कोई संकेन्द्रण जोखिम नहीं है और वर्तमान में उधार जोखिम कम करने के माध्यमों में प्रत्येक प्रकार के संपार्श्विक की कोई सीमा / उच्चतम सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

(रू. करोड़ में)

ब्यौरा	राशि
प्रत्येक अलग से प्रकटित उधार जोखिम पोर्टफोलियों के लिए, एक्सपोज़र (जहाँ लागू ऑन या ऑफ बैलेंस शीट नेटिंग के बाद) जो पात्र वित्तीय संपार्श्विक द्वारा हेयर कट के पश्चात् कवर किया गया है।	24876.49
देशी संप्रभुता	0.00
विदेशी संप्रभुता	0.00
सार्वजनिक क्षेत्र की इकाईयाँ	781.63
बैंकों - अनुसूची (आइ एन आर)	0.00
एफ सी वाई में विदेशी बैंकों का दावा	0.00
प्राथमिक डीलर	0.00
कॉर्पोरेट	5447.20
विनियामक रिटेक पोर्टफोलियो (आर आर पी)	11658.61
आवासीय संपत्ति द्वारा प्रतिभूत दावे	12.90
वाणिज्यिक भू संपदा द्वारा प्रतिभूत दावे	62.59
उपभोक्ता ऋण	3627.70
पूँजी बाज़ार एक्सपोज़र	2.58
एनबी एफ सी	2.13
जोखिम पूँजी	0.00
अनर्जक आस्तियाँ - क) आवासीय ऋण	0.03



Table DF – 5

CREDIT RISK MITIGATION: DISCLOSURES FOR STANDARDISED APPROACHES

Qualitative disclosures:

Policy on Credit Risk Mitigation:

In line with the regulatory requirements, the bank has put in place a well-articulated policy on collateral management and credit risk mitigation techniques duly approved by the bank's Board. The Policy lays down the type of securities normally accepted by the bank for lending and administration/ monitoring of such securities in order to safeguard /protect the interest of the bank so as to minimize the risk associated with it.

Credit Risk Mitigation under Standardised Approach:

(a) Eligible Financial Collaterals:

As advised by RBI, the Bank has adopted the comprehensive approach relating to credit risk mitigation under Standardised Approach, which allows fuller offset of securities (prime and collateral) against exposures, by effectively reducing the exposure amount by the value ascribed to the securities. Thus the eligible financial collaterals are fully made use of to reduce the credit exposure in computation of credit risk capital.

(b) On Balance Sheet Nettings:

As per Bank's policy on utilization of the credit risk mitigation techniques and collateral management, on-balance sheet

netting has been reckoned to the extent of deposits available against loans/advances of the borrower (maximum to the extent of exposure), where bank has legally enforceable netting arrangements involving specific lien with proof of documentation as prescribed by RBI. In such cases, the capital computation is done on the basis of net credit exposure.

(c) Eligible Guarantees:

Other approved form of credit risk mitigation is availability of "Eligible Guarantees". In computation of credit risk capital, types of guarantees recognized as mitigation, in line with RBI guidelines are (a) Central Government (0%) (b) State Government (20%), (c) CGTMSE (0%) (d) ECGC (20%) (e) Banks in the form of Bills Purchased/discouted under Letters of Credit (both domestic and foreign banks as per guidelines).

The bank has ensured compliance of legal certainty as prescribed by the RBI in the matter of credit risk mitigation.

Concentration risk in credit risk mitigation:

Policies and process are in place indicating the type of mitigants the bank uses for capital computation under the Standardised approach. All types of securities (financial collaterals) eligible for mitigation are easily realizable financial securities. As such, the bank doesn't envisage any concentration risk in credit risk mitigation used and presently no limit/ceiling has been prescribed for the quantum of each type of collateral under credit risk mitigation.

Quantitative Disclosures

(Rs. in crore)

Particulars	Amount
For each separately disclosed credit risk portfolio, the exposure (after, where applicable, on or off balance sheet netting) that is covered by Eligible Financial Collateral after application of haircuts	24876.49
Domestic Sovereign	0.00
Foreign Sovereign	0.00
Public Sector Entities	781.63
Banks – Schedule (INR)	0.00
Foreign Bank claims in FCY	0.00
Primary Dealers	0.00
Corporates	5447.20
Regulatory Retail Portfolio (RRP)	11658.61
Claims secured by Residential Property	12.90
Claims secured by Commercial Real Estate	62.59
Consumer Credit	3627.70
Capital Market Exposure	2.58
NBFC	2.13
Venture Capital	0.00
Non Performing Assets – a) Housing Loan	0.03



अनर्जक आस्तियाँ – ख) अन्य	168.81
अन्य आस्तियाँ – स्टाफ ऋण	20.19
अन्य आस्तियाँ	3084.64
पुनर्सरचित खाते	7.41
वाणिज्यिक संपत्ति- आर एच द्वारा प्रतिभूत दावे	0.06
पुनर्सरचित गृह ऋण	0.00
प्रत्येक अलग से प्रकटित उधार जोखिम पोर्टफोलियों के लिए , एक्सपोजर (जहाँ लागू ऑन या ऑफ बैलेंस शीट नेटिंग के बाद) जो कि गारंटी/ ऋण व्युत्पन्नी द्वारा कवर किया गया है (जब भी आरबीआई द्वारा विशेषरूप से अनुमति प्रदत्त)	9342.77
सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयाँ	4410.08
कॉर्पोरेट	2118.64
विनियामक रिटेल पोर्टफोलियो (आर आर पी)	2814.05
पुनर्सरचित खाते	0.00
सीआरई	0.00
सीआरई- आरएच	0.00

तालिका डीएफ 6

प्रतिभूतिकरण : मानकीकृत दृष्टिकोण के लिए प्रकटीकरण

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए कोई प्रतिभूतिकरण नहीं किया गया है।

तालिका डीएफ – 7

गुणात्मक प्रकटीकरण :

बाज़ार जोखिम :

बाजार जोखिम वह होता है जिससे बैंक को ब्याज दरें, विदेशी मुद्रा विनिमय दरें, इक्विटी कीमतें तथा कमोडिटी कीमतों जैसे बाजार व्युत्पन्न द्वारा उत्पन्न परिवर्तन / गति के कारण ऑन-बैलेंस शीट तथा ऑफ बैलेंस शीट स्थिति में हानि होने की संभावना है। बाजार जोखिम से बैंक का एक्सपोजर ट्रेडिंग बुक (एएफएस तथा हेचएफटी वर्गों दोनों) में देशी निवेशों (ब्याज संबंधित लिखतों तथा इक्विटियों), विदेशी विनिमय स्थितियों (बहुमूल्य धातुओं में खुली स्थिति को शामिल करते हुए) तथा ट्रेडिंग से संबंधित व्युत्पन्न से उत्पन्न होता है। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य अर्जन पर हानि के प्रभाव और इक्विटी पूँजी से उत्पन्न बाजार जोखिम को कम करना है।

बाजार जोखिम के प्रबंधन के लिए नीतियाँ

बैंक ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित बाजार जोखिम प्रबंधन नीति और आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) को लागू किया है ताकि बैंक में बाजार जोखिम का प्रभावपूर्ण प्रबंधन किया जा सके। बाजार जोखिम प्रबंधन को संभालने की अन्य नीतियाँ निवेश नीति, फोरेक्स जोखिम प्रबंधन नीति और व्युत्पन्न नीति हैं। बाजार जोखिम प्रबंधन नीति, बाजार जोखिम प्रबंधन कार्यों और प्रक्रियाओं के लिए सुस्पष्ट संगठनात्मक रूपरेखा निर्धारित करती है जिससे बैंक द्वारा उठाए गए बाजार जोखिम एएलएम फ्रेमवर्क के अंतर्गत बैंक की जोखिम छूट के अनुरूप पहचाने, मापे, प्रबंधित किए तथा नियंत्रित किए जाते हैं। इस नीति में विभिन्न जोखिम सीमाएँ गठित हैं जिससे बाजार जोखिम का प्रभावी प्रबंधन होता है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि उचित आस्ति देयता प्रबंधन के जरिए बाजार जोखिम से प्राप्य लाभ बैंक की अपेक्षाओं के अनुरूप

हैं या नहीं। नीति में बाजार जोखिम के प्रभावी प्रबंधन के लिए रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क को भी संभाला गया है।

एएलएम नीति में विशेष रूप से तरलता जोखिम प्रबंधन तथा ब्याज दर जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क का उल्लेख है। नीति द्वारा उल्लिखितानुसार तरलता जोखिम का प्रबंधन, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारितानुसार डॉटा कवरेज की उत्तम उपलब्धता के आधार पर दैनिक रूप से आस्ति और देयताओं के अवशिष्ट परिपक्वता / प्रवृत्तिजन्य पद्धति को आधार बनाकर जीएपी विश्लेषण के जरिए किया जाता है। अभी तक संरचनागत तरलता विवरण के माध्यम से तरलता जोखिम की रिपोर्ट आरबीआई को घरेलू परिचालन के लिए की जाती थी वहीं इसे प्रत्येक □ ओवरसीज केंद्रों पर अलग अलग प्रबंधित किया जाता था तथा अतीत में नियंत्रण के उद्देश्य से अल्को (एएलसीओ) में रखा जाता था। हालाँकि आरबीआई के हालिया परिपत्र के अनुसार, मार्च 2013 से प्रभावी तरलता जोखिम की संगणना की जानी है तथा आरबीआई को रुपए तथा विदेशी मुद्रा में घरेलू परिचालनों व □ ओवरसीज केंद्रों के लिए प्रस्तुत किया जाना है और बैंक परिचालन हेतु विभिन्न अंतरालों पर इसका समेकन किया जाना है।

बैंक ने अल्पावधि गतिशील तरलता प्रबंधन तथा आकस्मिक निधि योजना के उपाय बनाये हैं। प्रभावकारी आस्ति देयता प्रबंधन के लिए विभिन्न अवशिष्ट परिपक्वता को संभालने के लिए विवेकपूर्ण (छूट) सीमाएँ निर्धारित की गई हैं। बैंक की तरलता प्रोफाइल को विभिन्न तरलता अनुपातों के जरिए मूल्यांकित किया जाता है। बैंक ने विभिन्न आकस्मिक उपायों को गठित किया है ताकि तरलता स्थिति में किसी प्रकार के तनाव को संभाला जा सके। बैंक घरेलू ट्रेजरी द्वारा निधि के व्यवस्थित तथा स्थिर नियोजन के जरिए पर्याप्त तरलता का प्रबंधन सुनिश्चित करता है।

ब्याज दर जोखिम को संवेदनशील आस्तियों और देयताओं को जीएपी विश्लेषण के प्रयोग से प्रबंधित और निर्धारित विवेकपूर्ण (छूट) सीमाओं के जरिए प्रबंधित किया जाता है। ब्याज दर जोखिम के प्रबंधन के लिए बैंक ने अवधि अंतराल विश्लेषण फ्रेमवर्क भी बनाया है। शेरधारकों के मूल्य को अधिकतम बनाने की दृष्टि से निवल ब्याज मार्जिन और इक्विटी के आर्थिक मूल्य पर प्रभाव को निर्धारित करने के लिए ब्याज दर में प्रतिकूल गति के



Non Performing Assets – b) Others	168.81
Other Assets – Staff Loans	20.19
Other Assets	3084.64
Restructured / Rescheduled Accounts	7.41
Claims secured by Commercial Property - RH	0.06
Restructured Housing Loan	0.00
For each separately disclosed credit risk portfolio the total exposure (after, where applicable, on or off balance sheet netting) that is covered by Guarantees/ credit derivatives (whenever specifically permitted by RBI).	9342.77
Public Sector Entities	4410.08
Corporate	2118.64
Regulatory Retail Portfolio (RRP)	2814.05
Restructured / Rescheduled Accounts	0.00
CRE	0.00
CRE-RH	0.00

Table DF - 6

SECURITISATION: DISCLOSURE FOR STANDARDISED APPROACH

No Securitization for the year ended 31.03.2018

Table DF – 7

Market Risk in Trading Book

Qualitative disclosure:

Market Risk:

Market Risk is defined as the possibility of loss to a bank in on & off-balance sheet position caused by changes/movements in market variables such as interest rate, foreign currency exchange rate, equity prices and commodity prices. Bank's exposure to market risk arises from domestic investments (interest related instruments and equities) in trading book (Both AFS and HFT categories), the Foreign Exchange positions (including open position, if any, in precious metals) and trading related derivatives. The objective of the market risk management is to minimize the impact of losses on earnings and equity capital arising from market risk.

Policies for management of market risk:

The bank has put in place Board approved Market Risk Management Policy and Asset Liability Management (ALM) policy for effective management of market risk in the bank. Other policies which deal with market risk management are Funds Management and Investment Policy, Derivative Policy, Risk Management Policy for forex operations and Stress testing policy. The market risk management policy lays down well defined organization structure for market risk management functions and processes whereby the market risks carried by the bank are identified, measured, monitored and controlled within the ALM framework, consistent with the Bank's risk toler-

ance. The policies set various risk limits for effective management of market risk and ensuring that the operations are in line with Bank's expectation of return to market risk through proper Asset Liability Management. The policies also deal with the reporting framework for effective monitoring of market risk.

The ALM policy specifically deals with liquidity risk management and interest rate risk management framework. As envisaged in the policy, liquidity risk is managed through GAP analysis based on residual maturity/behavioral pattern of assets and liabilities on daily basis based on best available information data coverage as prescribed by RBI. The liquidity risk through Structural Liquidity statement was hitherto reported to RBI for domestic operation while the same was managed separately at each overseas center and placed to ALCO for control purpose in the past. However as per RBI guidelines from March 2013 the liquidity risk is computed and submitted to RBI in rupee and foreign currency for domestic operations, overseas centers and consolidated for Bank operations at various frequencies.

The bank has put in place mechanism of short-term dynamic liquidity management and contingent funding plan. Prudential (tolerance) limits are prescribed by RBI for the first four buckets and by Bank's Board for different residual maturity time buckets for efficient asset liability management. Liquidity profile of the bank is evaluated through various liquidity ratios. The bank has also drawn various contingent measures to deal with any kind of stress on liquidity position. Bank ensures adequate liquidity management by Domestic Treasury through systematic and stable funds planning.

Interest rate risk is managed through use of GAP analysis of rate sensitive assets and liabilities and monitored through prudential (tolerance) limits prescribed. The bank estimates earnings at risk for domestic operations and modified duration gap for global operations periodically for assessing the impact on



प्रति बैंक जोखिम पर अर्जन तथा अवधि अंतराल आशोधन को निर्धारित करता है।

आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (अल्को) / बोर्ड, बैंक द्वारा नियत विवेकपूर्ण सीमाओं के अनुपालन को प्रबोधित करता है और एएलएम नीति में स्पष्ट किए अनुसार बाजार स्थिति (वर्तमान तथा प्रत्याशित) के अनुरूप रणनीति निर्धारित करता है। कार्यरत मिड ऑफिस विवेकपूर्ण सीमाओं के अनुपालन को निरंतर आधार पर प्रबोधित करता है।

चूंकि ब्याज दर की गति अस्थिर होती है, खासकर रु. 1 करोड़ व इससे अधिक पर, अतः इस तरह के जमा पर प्रतिस्पर्धी दरों को उद्दत करने हेतु दैनिक आधार पर विचार करने की आवश्यकता है। एएलसीओ की एक उप समिति, फंड कमेटी, इस उद्देश्य के लिए व्यावसायिक घंटों की शुरुआत में दैनिक रूप से मिला करेगी। समिति बैंक की वर्तमान और अनुमानित तरलता स्थिति, तत्काल भुगतान की आवश्यकता, तैनाती के अवसरों के बारे में उपलब्ध बाजार प्रवृत्ति, अनहेज विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आदि पर प्रभाव की समीक्षा करेगी।

मात्रात्मक प्रकटीकरण:

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप पूँजी के अनुरक्षण के लिए बेसल II फ्रेमवर्क के मानकीकृत अवधि दृष्टिकोण (एसडीए) के अनुसार बाजार जोखिम के लिए बैंक ने पूँजी परिकल्पित की है। 31.03.2018 तक बैंक के ट्रेडिंग बुक में बाजार जोखिम के लिए पूँजी अपेक्षाएँ इस प्रकार हैं :

गुणात्मक प्रकटीकरण :

(रु. करोड़ में)

बाजार जोखिम का प्रकार	जोखिम भारित आस्ति (कल्पित)	पूँजी आवश्यकता
ब्याज दर जोखिम	5634.32	450.75
ईक्यूटी स्थिति जोखिम	9487.39	758.99
विदेशी विनिमय जोखिम	67.67	5.41
कुल	15189.38	1215.15

तालिका डीएफ - 8

परिचालनात्मक जोखिम :

गुणात्मक प्रकटीकरण :

परिचालनात्मक जोखिम का तात्पर्य अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों तथा प्रणालियों या बाहरी घटनाओं के फलस्वरूप होने वाली हानि का जोखिम है। परिचालनात्मक जोखिम में विधिक जोखिम शामिल हैं लेकिन रणनीति या प्रतिष्ठा से संबंधित जोखिम शामिल नहीं है।

बैंक ने परिचालनात्मक जोखिम प्रबंधन नीति का गठन किया है जो बैंक के बोर्ड द्वारा विधिवत् अनुमोदित है। बोर्ड द्वारा अपनाई गई अन्य नीतियाँ जो परिचालनात्मक जोखिम को संभालती हैं इस प्रकार हैं : (क) सूचना प्रणाली सुरक्षा नीति (ख) साइबर सुरक्षा नीति (ग) फोरेक्स जोखिम प्रबंधन नीति (घ) अपने ग्राहक को जानें (के वाइ सी) पर नीतिगत दस्तावेज और धन शोधन निवारक (एएमएल) कार्यविधियों (ड.) अविराम कारोबार तथा विपदा पुनःप्राप्ति योजना (बीसी) डीआरपी अनुपालन नीति और (च) वित्तीय सेवाओं के बाह्य स्त्रोत पर नीति।

बैंक ने अपनी अनुदेश पुस्तक में विभिन्न परिचालनों के लिए सुस्पष्ट पद्धतियाँ व प्रक्रियाएँ बना रखी हैं। निर्धारित पद्धतियों और प्रक्रियाओं का अनुसरण

सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न आन्तरिक और बाह्य लेखा परीक्षा प्रणालियाँ हैं और कमियों को सुधारने के लिए समय पर कार्रवाई की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए अंतिम दिशानिर्देशों के अनुसार, हमारा बैंक परिचालनात्मक जोखिम के लिए पूँजी संगणना हेतु आधारभूत सूचक दृष्टिकोण अपना रहा है। दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक को परिचालनात्मक जोखिम के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बताई गई सकारात्मक वार्षिक सकल आय के 15% के पिछले तीन वर्षों के औसत के बराबर पूँजी धारित करनी चाहिए।

मात्रात्मक प्रकटीकरण :

(रु. करोड़ में)

मानदंड	पूँजी राशि	अनुमानित जोखिम भारित आस्ति
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रदत्त परिभाषा के अनुसार पिछले तीन वर्षों में सकारात्मक वार्षिक सकल आय का 15%	1180.71	14758.84

तालिका डीएफ - 9

बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम

गुणात्मक प्रकटीकरण :

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम होता है जहाँ बाजार ब्याज दर में परिवर्तन बैंक की वित्तीय स्थिति को प्रभावित कर सकता है। ब्याज दर में परिवर्तन चालू अर्जन (परिप्रेक्ष्य अर्जन) तथा बैंक के नेटवर्थ (परिप्रेक्ष्य आर्थिक मूल्य) दोनों को प्रभावित करता है। परिप्रेक्ष्य अर्जन के जोखिम को निवल ब्याज आय (एनआइआइ) या निवल ब्याज मार्जिन (एनआइएम) पर पड़ने वाले प्रभाव के अनुसार मापा जा सकता है। इसी प्रकार, परिप्रेक्ष्य आर्थिक मूल्य के जोखिम को ईक्यूटी के आर्थिक मूल्य में होने वाले घटाव से मापा जा सकता है।

बैंक ने वैश्विक परिचालनों पर ईक्यूटी के आर्थिक मूल्य (आर्थिक मूल्य परिप्रेक्ष्य) पर प्रभाव (प्रतिशतता के रूप में) के निर्धारण के लिए 200 बीपीएस पर कल्पित दर प्रघात को लागू करके पारंपरिक जीएपी विश्लेषण को अंतराल जीएपी विश्लेषण के साथ मिलाकर अपनाया है। इस प्रयोजन के लिए बैंक की 1 वर्ष की अवधि के दौरान एएलएम नीति में तुलन पत्र पर आशोधित अंतराल जीएपी के लिए (+/-) 1.00% की सीमा निर्धारित है और इसकी स्थिति को आवधिक रूप से प्रबोधित किया जाता है।

बैंक प्रत्येक मुद्रा में ब्याज दर जोखिम स्थिति की गणना अवधि अन्तराल विश्लेषण (डी जी ए) और पारंपरिक अंतराल विश्लेषण (टी जी ए) उस मुद्रा में दर संवेदनशील आस्ति (आर एस ए) / दर संवेदनशील देयता (आर एल ए) पर करता है जहाँ या तो आस्ति या देयता बैंक की आस्ति या वैश्विक देयता कुल वैश्विक आस्ति या वैश्विक देयता का 5 प्रतिशत या अधिक हो। सभी अन्य अवशेष मुद्रा में ब्याज जोखिम स्थिति की गणना अलग से समग्र आधार पर की गणना की जाती है।

गुणात्मक प्रकटीकरण

निवल ब्याज आय (एन आइ आइ) और ईक्यूटी के आर्थिक मूल्य (ईवीई) पर प्रभाव के परिवर्तन को दिनांक 31.03.2018 तक उपर्युक्त चर्चा के अनुसार कल्पित ब्याज दर प्रघातों को लागू करके नीचे दिया जा रहा है :



Net Interest Income and Economic Value of Equity with a view to optimize shareholder value.

The Asset-Liability Management Committee (ALCO) / Board monitors adherence to prudential limits fixed by the Bank and determines the strategy in the light of the market conditions (current and expected) as articulated in the ALM policy. The mid-office monitors adherence to the prudential limits on a continuous basis.

As interest rate movements are volatile, particularly on deposits of Rs. 1Crore and above, there is a need to take views on quoting competitive rates to such deposits on daily basis. A subcommittee of ALCO, namely Funds Committee, shall meet daily at the beginning of business hours for this purpose. The committee shall review the present & projected liquidity position of the bank, requirement for immediate payment of funds, market trend regarding deployment opportunities available, impact on un-hedged forex exposure etc

Quantitative disclosures:

In line with the RBI's guidelines, the Bank has computed capital for market risk as per Standardised Duration Approach of Basel-II framework for maintaining capital. The capital requirement for market risk as on 31.03.2018 in trading book of the bank is as under:

(Rs. in crore)

Type of Market Risk	Risk Weighted Asset (Notional)	Capital Requirement
Interest rate risk	5634.32	450.75
Equity position risk	9487.39	758.99
Foreign exchange risk	67.67	5.41
Total	15189.38	1215.15

Table DF – 8

OPERATIONAL RISK:

Qualitative disclosures:

Operational Risk is the risk of loss resulting from inadequate or failed internal processes, people and systems or from external events. Operational risk includes legal risk but excludes strategic and reputation risk.

The bank has framed operational risk management policy duly approved by the Board. Other policies adopted by the Board which deal with management of operational risk are (a) Information Systems security policy (b) Cyber Security Policy (c) forex risk management policy (d) Policy document on know your customer (KYC) and Anti-Money Laundering (AML) procedures (e) Business Continuity and Disaster Recovery Plan (BC-DRP) (f) compliance policy and (g) policy on outsourcing of Financial Services.

The Bank has got embodied in its Book of Instructions well-defined systems and procedures for various operations. Various

internal and external audit systems are in place to ensure that laid down systems and procedures are followed and timely actions are initiated for rectifying the deficiencies.

In line with the final guidelines issued by RBI, our bank is adopting the Basic Indicator Approach for computing capital for operational risk. As per the guidelines the banks must hold capital for operational risk equal to 15% of positive average annual gross income over the previous three years as defined by RBI

Quantitative disclosures:

(Rs. in Crore)

Parameter	Capital amount	Notional Risk Weighted Assets
15% of positive average annual gross income over the previous 3 years as defined by RBI	1180.71	14758.84

Table DF – 9

INTEREST RATE RISK ON THE BANKING BOOK

Qualitative disclosures:

Interest rate risk is the risk where changes in the market interest rates might affect a bank's financial condition. Changes in interest rates may affect both the current earnings (earnings perspective) as also the net worth of the Bank (economic value perspective). The risk from earnings perspective can be measured as impact on the Net Interest Income (NII) or Net Interest Margin. Similarly, the risk from economic value perspective can be measured as drop in Economic Value of Equity.

The bank has adopted traditional gap analysis combined with duration gap analysis for assessing the impact (as a percentage) on the Economic Value of Equity (Economic Value Perspective) on global operations by applying a notional interest rate shock of 200 bps over a time horizon of one year. For the purpose a limit of (+/-) 1.00% for modified duration gap is prescribed in the Bank's ALM policy and the position is monitored periodically.

The bank is computing the interest rate risk position in each currency applying the Duration Gap Analysis (DGA) and Traditional Gap Analysis (TGA) to the Rate Sensitive Assets (RSA)/ Rate Sensitive Liabilities (RSL) items in that currency, where either the assets, or liabilities are 5 per cent or more of the total of either the bank's global assets or global liabilities. The interest rate risk positions in all other residual currencies are computed separately on an aggregate basis.

Quantitative disclosures:

The impact of changes of Net Interest Income (NII) and Economic Value of Equity (EVE) calculated as on 31.03.2018 by applying notional interest rate shocks as discussed above are as under



(रु. करोड़ों में)

ब्याज दर में परिवर्तन	इएआर के लिए एएलएम नीति सीमा	जोखिम पर अर्जन (रआएइ)	
		31/03/2018	
		1 वर्ष तक	5 वर्ष तक
0.25% परिवर्तन	162.00 (पिछले वर्ष के एन आइ आइ का 3%)	78.45	116.78
0.50% परिवर्तन	323.00 (पिछले वर्ष के एन आइ आइ का 6%)	156.91	233.56
0.75% परिवर्तन	485.00 (पिछले वर्ष के एन आइ आइ का 9%)	235.36	350.33
1.00% परिवर्तन	646.00 (पिछले वर्ष के एन आइ आइ का 12%)	313.82	467.11
2.00% परिवर्तन	1292 (पिछले वर्ष के एन आइ आइ का 24%)	627.64	934.22

इक्विटी का आर्थिक मूल्य	31.03.2018
आशोधित अवधि अंतराल (डीजीएपी)	0.08
एएलएम नीति के अनुसार सीमा	(+/-)1.00%
इक्विटी की बाजार मूल्य (डीवमए)	
200 बीपीएस दर प्रघात के लिए इक्विटी में घटाव	4.59

तालिका डीएफ़ 10-

प्रतिपक्ष उधार जोखिम से संबंधित एक्सपोजर से संबंधित सामान्य प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण	(क)	<p>डेरिवेटिव्स एवं सीआरआर के संबंध में सामान्य गुणात्मक प्रकटीकरण अपेक्षा में निम्न शामिल हैं - काउंटर पार्टी क्रेडिट एक्सपोजर के लिए क्रेडिट लिमिट एवं आर्थिक पूंजी को सौंपने में प्रयुक्त कार्यप्रणाली की चर्चा</p> <ul style="list-style-type: none"> • क्रेडिट आरक्षितियों को स्थिर करने तथा संपाश्रिकों प्रतिभूतियों के लिए नीतियों पर चर्चा • त्रुटिपूर्ण विधि से जोखिम एक्सपोजर के संबंध में नीतियों की चर्चा • संपाश्रिकों की राशि के प्रभाव पर चर्चा से बैंक को क्रेडिट रेटिंग को कम किया जाएगा।
मात्रात्मक प्रकटीकरण	(b)	करारों का सकल सकारात्मक उचित मूल्य, नेटिंग लाभ, नेटेड वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर, धारित समपाश्रिक (सरकारी प्रतिभूतियों, नकदी इत्यादि जैसी सहित) एवं निवल डेरीवेटिव क्रेडिट एक्सपोजर। इसके अलावा सीईएम के तहत एक्सपोजर राशि अथवा डिफाल्ट के एक्सपोजर के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट करें। क्रेडिट एक्सपोजर सीमा का अनुमानित मूल्य, तथा क्रेडिट एक्सपोजर के प्रकारों द्वारा वर्तमान क्रेडिट एक्सपोजर का वितरण।
	(c)	क्रेडिट डेरीवेटिव सौदे जो कि सीसीआर (अनुमानित मूल्य) के एक्सपोजर को उत्पन्न करते हैं को संस्था के निजी क्रेडिट पोर्टफोलियो के प्रयोग के लिए अलग-अलग किया जाएगा एवं इसके साथ-साथ वित्तीय मध्यस्थता गतिविधियों के साथ प्रयोग किए गए क्रेडिट डेरीवेटिव उत्पाद, आगे पुनः प्रत्येक समूह के साथ ब्रोकेन डाउन के माध्यम से खरीद एवं बिक्री से की गयी सुरक्षा।



(Rs. in crore)

Change in Interest Rate	ALM Policy Limit for EaR	Earnings at Risk (EaR) 31.03.2018	
		Up to 1 year	Up to 5 years
0.25% change	162.00 (3% of Nil of previous year)	78.45	116.78
0.50% change	323.00 (6% of Nil of previous year)	156.91	233.56
0.75% change	485.00 (9% of Nil of previous year)	235.36	350.33
1.00% change	646.00 (12% of Nil of previous year)	313.82	467.11
2.00% change	1292.00 (24% of Nil of Previous year)	627.64	934.22
ECONOMIC VALUE OF EQUITY			31.03.2018
Modified Duration Gap (DGAP)			0.08
Limit as per ALM Policy			(+/-)1.00%
Market value of Equity (MVE)			
For a 200 BPS Rate Shock the Drop in Equity Value			4.59

Table DF – 10

GENERAL DISCLOSURE FOR EXPOSURES RELATED TO COUNTERPARTY CREDIT RISK

Qualitative disclosure:

Qualitative Disclosures	(a)	The general qualitative disclosure requirement with respect to derivatives and CCR, including: <ul style="list-style-type: none"> • Discussion of methodology used to assign economic capital and credit limits for counter party credit exposures • Discussion of policies for securing collateral and establishing credit reserves • Discussion of policies with respect to wrong way risk exposures • Discussion on impact of the amount of collateral the bank would have to provide given a credit rating downgrade
Quantitative Disclosures	(b)	Gross positive fair value of contracts, netting benefits, netted current credit exposures, collateral held (including type, e.g. cash, government securities, etc.), and net derivatives credit exposure. Also report measures for exposure at default, or exposure amount, under CEM. The notional value of credit exposure hedges, and the distribution of current credit exposure by types of credit exposure.
	(c)	Credit derivative transactions that create exposures to CCR (notional value), segregated between use for the institution's own credit portfolio, as well as in its intermediation activities, including the distribution of the credit derivatives products used, broken down further by protection bought and sold within each product group.



मात्रात्मक प्रकटीकरण

(रु. करोड़ों में)

क्र	ब्योरे	काल्पनिक मूल्य	एमटीएम	कुल चालू ऋण एक्सपोजर
1	डेरिवेटिव्स	0.00	0.00	0.00
2	ब्याज दर करार /स्वैप एस	1734.17	4.96	4.96
3	आगे की खरीददारी /बिक्री करार	27160.37	209.02	209.02
4	ऋण डेरिवेटिव्स	0.00	0.00	0.00
5	ऋण डिफ़ोल्ट स्वैप	0.00	0.00	0.00

तालिका डीएफ़ - 11

पूँजी की रचना

भाग -1 टेम्पलेट का प्रयोग केवल मार्च 31,2018 से किया जाए : लागू नहीं

भाग -2 -टेम्पलेट का प्रयोग मार्च 31,2018 के पूर्व करना है (यानि बेसल III नियामक संयोजन करने की प्रक्रिया के दौरान)

(रु. करोड़ों में)

बेसल III सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट जिसका प्रयोग नियामक संयोजन करने की प्रक्रिया के दौरान किया गया (यानि 01 अप्रैल 2013 से 31 दिसंबर 2017 तक)		राशि पूर्व बेसल III के विषय को छोड़कर	
सामान्य इक्विटी टियर 1 पूँजी : लिखत और भंडार			
1	प्रत्यक्ष रूप से जारी उपयुक्त सामान्य शेयर पूँजी सहित संबंधित स्टॉक अधिशेष(शेयर प्रीमियम)	8919.85	8919.85
2	प्रतिधारित आय	7475.13	7475.13
3	संचयित अन्य व्यापक आय (एवं अन्य आरक्षितियाँ)	1678.26	1678.26
4	सीईटी1 से निकाले जाने के अधीन प्रत्यक्ष रूप से जारी पूँजी (केवल गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0.00	0.00
5	अनुबंधितों द्वारा जारी तथा अन्य पक्ष द्वारा धारित सामान्य शेयर पूँजी (समूह सीईटी1 में अनुमत राशि)	0.00	0.00
6	विनियामक समायोजन से पूर्व सामान्य ईक्विटी टियरपूँजी	18073.23	18073.23
सामान्य ईक्विटी टियरपूँजी : वनियामक समायोजन			
7	विवेकपूर्ण मूल्यांकन समायोजन		
8	साख (संबंधित कर देयता का निवल)		
9	अमूर्त (संबंधित कर देयता का निवल)	6373.70	6373.70
10	आस्थगित कर आस्तियाँ	0.00	0.00
11	नकद प्रवाह बचाव आरक्षित		
12	अपेक्षित हानियों पर प्रावधानों की कमी		
13	व्यय पर प्रतिभूतिकरण अभिलाभ		
14	उचित मूल्य देयताओं पर अपने ऋण जोखिम में परिवर्तन के कारण लाभ व हानि		
15	परिभाषित- लाभ पेंशन निधि निवल आस्तियाँ,	0.00	0.00
16	खुद के शेयरों में निवेश (यदि रिपोर्ट किए गए तुलन पत्र पर प्रदत्त पूँजी का पहले ही निवलीकरण नहीं किया गया है)		
17	सामान्य ईक्विटी में पारस्परिक क्रॉस- धारण	22.91	0.00



Quantitative disclosure:

(Rs. in crore)

No	Particulars	Notional Amount	MTM	Total current credit exposures
1	Derivatives	0.00	0.00	0.00
2	Interest Rates Contracts/Swaps	1734.17	4.96	4.96
3	Forward Purchase / Sales Contract	27160.37	209.02	209.02
4	Credit Derivatives	0.00	0.00	0.00
5	Credit Default Swaps	0.00	0.00	0.00

Table DF – 11

COMPOSITION OF CAPITAL

Part I : Template to be used only from March 31,2018 : Not Applicable

Part II : Template to be used before March 31,2018 (i.e. during the transition period of Basel III regulatory adjustment)

(Rs. in crore)

Basel III common disclosure template to be used during the transition of regulatory adjustments (i.e. from April 1, 2013 to December 31, 2017)			Amounts Subject to Pre-Basel III Treatment
Common Equity Tier 1 capital: instruments and reserves			
1	Directly issued qualifying common share capital plus related stock surplus (share premium)	8919.85	8919.85
2	Retained earnings	7475.13	7475.13
3	Accumulated other comprehensive income (and other reserves)	1678.26	1678.26
4	Directly issued capital subject to phase out from CET1 (only applicable to non-joint stock companies)	0.00	0.00
5	Common share capital issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group CET1)	0.00	0.00
6	Common Equity Tier 1 capital before regulatory adjustments	18073.23	18073.23
Common Equity Tier 1 capital: regulatory adjustments			
7	Prudential valuation adjustments		
8	Goodwill (net of related tax liability)		
9	Intangibles (net of related tax liability)	6373.70	6373.70
10	Deferred tax assets	0.00	0.00
11	Cash-flow hedge reserve		
12	Shortfall of provisions to expected losses		
13	Securitisation gain on sale		
14	Gains and losses due to changes in own credit risk on fair valued liabilities		
15	Defined-benefit pension fund net assets	0.00	0.00
16	Investments in own shares (if not already netted off paid-up capital on reported balance sheet)		
17	Reciprocal cross-holdings in common equity	22.91	0.00



18	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा इकाइयों, जो विनियामक समेकन, पात्र आंशिक स्थितियों के निवल के दायरे से बाहर हैं, जहाँ बैंक जारी शेयर पूँजी के 10% से अधिक नहीं रखता है 10% प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि), की पूँजी में निवेश		
19	बैंकिंग, वित्तीय तथा बीमा इकाइयों, जो विनियामक समेकन, पात्र आंशिक स्थितियों के निवल के दायरे से बाहर हैं, योग्य अल्प स्थितियों का निवल 10% प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि	0.00	0.00
20	बंधक सेवा अधिकार 10% प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि)	0.00	0.00
21	अस्थायी अंतरों से उभरती आस्थगित कर आस्तियाँ 10% प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि संबंधित कर देयता का निवल	3050.30	3050.30
22	15% प्रारंभिक सीमा से अधिक राशि 6	0.00	0.00
23	जिसमें से: वित्तीय इकाइयों के सामान्य स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश	0.00	0.00
24	जिसमें से: बंधक सेवा अधिकार	0.00	0.00
25	जिसमें से: अस्थायी अंतरों से उभरती आस्थगित कर आस्तियाँ	0.00	0.00
26	राष्ट्रीय विशेषीकृत विनियामक समायोजन7 (26क+26ख+26ग+26घ)	0.00	0.00
26ए	जिसमें से: असमेकित बीमा अनुषंगियों की ईक्विटी पूँजी में निवेश	0.00	0.00
26बी	जिसमें से: समेकित गैर वित्तीय अनुषंगियों8 की ईक्विटी पूँजी में निवेश	0.00	0.00
26सी	जिसमें से: बहुमत प्राप्त वित्तीय इकाइयों, जिनका समेकन बैंक9 द्वारा नहीं हुआ है, की ईक्विटी पूँजी में कमी	0.00	0.00
26डी	जिसमें से: अपरिशोधित पेंशन निधि व्यय	0.00	0.00
	बासेलाIIIप्रतिपादन पूर्व के अधीन राशियों के संबंध में सामान्य ईक्विटी टियरापर लागू विनियामक समायोजन		
27	कटौती को कवर करने के लिए अपर्याप्त अतिरिक्त टियरातथा टियराके कारण सामान्य ईक्विटी टियरापर लागू विनियामक समायोजन।	0.00	0.00
28	सामान्य ईक्विटी टियरापर कुल विनियामक समायोजन	9446.91	9424.00
29	सामान्य ईक्विटी टियरापूँजी (सीईटी 1)	8626.32	8649.23
लिखत1जपू 1 अतिरिक्त टीअर			
30	प्रत्यक्ष रूप से जारी उपयुक्त अतिरिक्त टियर 1 लिखत सहित संबंधित स्टॉक अधिशेष (शेयर प्रीमियम) (31+32)	1120.00	1780.00
31	जिसमें से: प्रायोज्य लेखांकन मानकों के तहत ईक्विटी के रूप में वर्गीकृत (स्थायी गैर-संचयी अधिमानी शेयर)	0.00	0.00
32	जिसमें से: प्रायोज्य लेखांकन मानकों के तहत देयता के रूप में वर्गीकृत (स्थायी ऋण लिखत)	1120.00	1780.00
33	अतिरिक्त टियर 1 से निकाले जाने के अधीन प्रत्यक्ष रूप से जारी पूँजी लिखत	0.00	0.00
34	अनुषंगियों द्वारा जारी और अन्य पक्ष द्वारा धारित (समूह एटी1 में अनुमत राशि) अतिरिक्त टियर 1 लिखत (तथा सीईटी1 लिखत जो क्रम 5 में शामिल नहीं हैं)	0.00	0.00
35	जिसमें से निकाले जाने के अधीन अनुषंगियों द्वारा जारी लिखत	0.00	0.00
36	विनियामक समायोजन से पूर्व अतिरिक्त टियर 1 पूँजी	1120.00	1780.00



18	Investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short positions, where the bank does not own more than 10% of the issued share capital (amount above 10% threshold)		
19	Significant investments in the common stock of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short positions (amount above 10% threshold)	0.00	0.00
20	Mortgage servicing rights (amount above 10% threshold)	0.00	0.00
21	Deferred tax assets arising from temporary differences (amount above 10% threshold, net of related tax liability)	3050.30	3050.30
22	Amount exceeding the 15% threshold ⁶	0.00	0.00
23	of which: significant investments in the common stock of financial entities	0.00	0.00
24	of which: mortgage servicing rights	0.00	0.00
25	of which: deferred tax assets arising from temporary differences	0.00	0.00
26	National specific regulatory adjustments (26a+26b+26c+26d)	0.00	0.00
26a	of which: Investments in the equity capital of unconsolidated insurance subsidiaries	0.00	0.00
26b	of which: Investments in the equity capital of unconsolidated non-financial subsidiaries	0.00	0.00
26c	of which: Shortfall in the equity capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank	0.00	0.00
26d	of which: Unamortised pension funds expenditures	0.00	0.00
	Regulatory Adjustments Applied to Common Equity Tier 1 in respect of Amounts Subject to Pre-Basel III Treatment		
27	Regulatory adjustments applied to Common Equity Tier 1 due to insufficient Additional Tier 1 and Tier 2 to cover deductions	0.00	0.00
28	Total regulatory adjustments to Common equity Tier 1	9446.91	9424.00
29	Common Equity Tier 1 capital (CET1)	8626.32	8649.23
Additional Tier 1 capital: instruments			
30	Directly issued qualifying Additional Tier 1 instruments plus related stock surplus (share premium) (31+32)	1120.00	1780.00
31	of which: classified as equity under applicable accounting standards (Perpetual Non-Cumulative Preference Shares)	0.00	0.00
32	of which: classified as liabilities under applicable accounting standards (Perpetual debt Instruments)	1120.00	1780.00
33	Directly issued capital instruments subject to phase out from Additional Tier 1	0.00	0.00
34	Additional Tier 1 instruments (and CET1 instruments not included in row 5) issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group AT1)	0.00	0.00
35	of which: instruments issued by subsidiaries subject to phase out	0.00	0.00
36	Additional Tier 1 capital before regulatory adjustments	1120.00	1780.00



अतिरिक्त टियर 1 पूँजी ; नियामक समायोजन			
37	खुद के अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में निवेश	50.00	50.00
38	अतिरिक्त टियर 1 लिखतों में पारस्परिक गैर-धारिता	30.0	30.00
39	विनियामक समेकन की संभावनाओं से बाहर बैंकिंग, वित्तीय और बीमा इकाइयों की पूँजी में निवेश, पात्र अल्प स्थितियों का निवल, जहाँ बैंक की स्वामित्व इकाई 10% की सीमा से ऊपर की राशि) की जारी साझा शेयर पूँजी के 10% से अधिक की राशि न हो	0.0	0.00
40	विनियामक समेकन के दायरे से बाहर बैंकिंग, वित्तीय और बीमा इकाइयों की पूँजी में निवेश (पात्र अल्प स्थितियों का निवल) 10	0.00	0.00
41	राष्ट्रीय विशिष्ट विनियामक समायोजन (41ए+41बी)	0.00	0.00
41ए	असमेकित बीमा अनुषंगियों की अतिरिक्त टियरपूँजी में निवेश	0.00	0.00
41बी	बहुलांश स्वामित्व वाली वित्तीय इकाइयों की अतिरिक्त टियरपूँजी में कमी जिन्हें बैंक के साथ समेकित नहीं किया गया ह	0.00	0.00
42	अपर्याप्त टियर1की वजह से कटौतियों को कवर करने के लिए अतिरिक्त टियरमें लागू विनियामक समायोजन		
43	अतिरिक्त टियरपूँजी में कुल विनियामक समायोजन	80.00	80.00
44	अतिरिक्त टियरपूँजी (एटी1)	1040.00	1700.00
45	टियरपूँजी (टी1 = सीईटी1 + स्वीकार्य एटी1) (29 + 44)	9666.32	10349.23
टीअर 2 पूँजी: लिखत और प्रावधान			
46	प्रत्यक्ष तौर पर जारी पात्र टियर 2 लिखत सहित संबंधित अधिक स्टॉक	458.00	458.00
47	टियर 2 से बाहर होने होने की शर्त पर प्रत्यक्ष तौर पर जारी पूँजी लिखत	1652.92	2632.30
48	अनुषंगी द्वारा जारी और अन्य पक्षों द्वारा धारित (समूह टियर 2 में स्वीकृत राशि) टियर 2 लिखत (और 5 या 34 पंक्ति में नहीं शामिल सीईटी1 और एटी1 लिखत)	0	0
49	जिनमें से : बाहर होने की शर्त पर अनुषंगियों द्वारा जारी लिखत	0	0
50	प्रावधान	755.66	755.66
51	विनियामक समायोजन से पहले टियर 2 पूँजी	2866.58	3845.96



Additional Tier 1 capital: regulatory adjustments			
37	Investments in own Additional Tier 1 instruments	50.00	50.00
38	Reciprocal cross-holdings in Additional Tier 1 instruments	30.00	30.00
39	Investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short positions, where the bank does not own more than 10% of the issued common share capital of the entity (amount above 10% threshold)	0.00	0.00
40	Significant investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation (net of eligible short positions) ¹⁰	0.00	0.00
41	National specific regulatory adjustments (41a+41b)	0.00	0.00
41a	Investments in the Additional Tier 1 capital of unconsolidated insurance subsidiaries	0.00	0.00
41b	Shortfall in the Additional Tier 1 capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank	0.00	0.00
42	Regulatory adjustments applied to Additional Tier 1 due to insufficient Tier 2 to cover deductions		
43	Total regulatory adjustments to Additional Tier 1 capital	80.00	80.00
44	Additional Tier 1 capital (AT1)	1040.00	1700.00
45	Tier 1 capital (T1 = CET1 + Admissible AT1) (29 + 44)	9666.32	10349.23
Tier 2 capital: instruments and provisions			
46	Directly issued qualifying Tier 2 instruments plus related stock surplus	458.00	458.00
47	Directly issued capital instruments subject to phase out from Tier 2	1652.92	2632.30
48	Tier 2 instruments (and CET1 and AT1 instruments not included in rows 5 or 34) issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group Tier 2)	0	0
49	of which: instruments issued by subsidiaries subject to phase out	0	0
50	Provisions	755.66	755.66
51	Tier 2 capital before regulatory adjustments	2866.58	3845.96



नियामक समायोजन : टियर 2 पूंजी			
52	उपकरणों में निवेश 2 स्वयं के अतिरिक्त टियर	50.00	50.00
53	लिखत में पारस्परिक क्रॉस होल्डिंग 2 अतिरिक्त टियर	0.0	0.0
54	बैंकिंग पूंजी में निवेश, वित्तीय बीमा संस्थाएं जो नियामक समेकन क्षेत्र से बाहर हैं, पात्र कम पोसिशन का कुल, जहां पर बैंक संस्था द्वारा जारी सामान्य शेअर पूंजी के 10% से अधिक का स्वामित्व नहीं है (10% थ्रेशहोल्ड से ऊपर) की राशि	0	
55	बैंकिंग, वित्तीय और बीमा संस्थाएं जो कि जो नियामक समेकन क्षेत्र से बाहर (हैं पूंजी में महत्वपूर्ण निवेश (पात्र कम पोसिशन का कुल	0	
56	(56ब+ 56अ) राष्ट्रीय विशेषकृत नियामक समायोजन		
56अ	की पूंजी में निवेश 2 असमेकित बीमा अनुषंगी के अतिरिक्त टियर	0	
56ब	पूंजी में कमी, जिसमें से अधिकतर का स्वामित्व वित्तीय 2 अतिरिक्त टियर संस्थाओं के पास है और जिसका समेकन बैंक के साथ नहीं हुआ है	0	
57	टीअर 2 का कुल नियामक समायोजन	50.00	50.00
58	टीअर 2 पूंजी (टी2)	2816.58	3795.96
59	कुल पूंजी (टीसी =टी1+टी2)(45+58)	12482.90	13145.19
60	कुल उधार जोखिम भारित आस्तियां (60अ + 60ब + 60स)	134908.70	
60अ	उसमें से : कुल उधार जोखिम भारित आस्तियां	104960.48	
60ब	उसमें से : कुल बाजार जोखिम भारित आस्तियां	15189.38	
60स	उसमें से : कुल परिचालनात्मक जोखिम भारत आस्तियां	14758.84	
पूंजी अनुपात			
61	सामान्य इक्विटी टीअर 1 (जोखिम भारित आस्तियां का प्रतिशत)	6.39%	
62	टीअर 1(जोखिम भारित आस्तियां का प्रतिशत)	7.17%	
63	कुल पूंजी (जोखिम भारित आस्तियां का प्रतिशत)	9.25%	
	संस्था विशेषकर बफर आवश्यकता (कम से कम सीईटी 1 आवश्यकता अधिक पूंजी बचाव और प्रति चक्रीय बफर आवश्यकता, जिसे जोखिम भारित आस्तियां के प्रतिशत के रूप में व्यक्त		
64	संस्था विशेषकर बफर आवश्यकता कम से कम सीईटी 1 आवश्यकता अधिक पूंजी बचाव और प्रति चक्रीय बफर) (आवश्यकता, जिसे जोखिम भारित आस्तियां के प्रतिशत के रूप में व्यक्त	7.375%	
65	उसमें से पूंजी बचाव बफर आवश्यकता	1.875%	
66	उसमें से बैंक का प्रति चक्रीय बफर आवश्यकता	0	
67	उसमें से : जी एसआईबी बफर आवश्यकता	0	
68	सामान्य इक्विटी टीअर 1 जो कि बफर मिलने के लिए उपलब्ध (जोखिम) भारित आस्तियां का प्रतिशत	0.89%	
काल्पनिक न्यूनतम (अगर बेसल III से अलग है			
69	राष्ट्रीय सामान्य इक्विटी टीअर 1 न्यूनतम अनुपात (अगर बेसल III से अलग है)	5.50%	
70	राष्ट्रीय टीअर 1 न्यूनतम अनुपात (अगर बेसल III से अलग है)	7.00%	
71	कटौती के लिए थ्रेशहोल्ड से कम राशि (जोखिम भारित से पूर्व	9.00%	



Tier 2 capital: regulatory adjustments			
52	Investments in own Tier 2 instruments	50.00	50.00
53	Reciprocal cross-holdings in Tier 2 instruments	0.00	0.00
54	Investments in the capital of banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation, net of eligible short positions, where the bank does not own more than 10% of the issued common share capital of the entity (amount above the 10% threshold)	0	
55	Significant investments in the capital banking, financial and insurance entities that are outside the scope of regulatory consolidation (net of eligible short positions)	0	
56	National specific regulatory adjustments (56a+56b)		
56a	of which: Investments in the Tier 2 capital of unconsolidated subsidiaries	0	
56b	of which: Shortfall in the Tier 2 capital of majority owned financial entities which have not been consolidated with the bank	0	
57	Total regulatory adjustments to Tier 2 capital	50.00	50.00
58	Tier 2 capital (T2)	2816.58	3795.96
59	Total capital (TC = T1 + T2) (45 + 58)	12482.90	13145.19
60	Total risk weighted assets (60a + 60b + 60c)	134908.70	
60a	of which: total credit risk weighted assets	104960.48	
60b	of which: total market risk weighted assets	15189.38	
60c	of which: total operational risk weighted assets	14758.84	
Capital ratios			
61	Common Equity Tier 1 (as a percentage of risk weighted assets)	6.39%	
62	Tier 1 (as a percentage of risk weighted assets)	7.17%	
63	Total capital (as a percentage of risk weighted assets)	9.25%	
64	Institution specific buffer requirement (minimum CET1 requirement plus capital conservation and countercyclical buffer requirements, expressed as a percentage of risk weighted assets)	7.375%	
65	of which: capital conservation buffer requirement	1.875%	
66	of which: bank specific countercyclical buffer requirement	0	
67	of which: G-SIB buffer requirement	0	
68	Common Equity Tier 1 available to meet buffers (as a percentage of risk weighted assets)	0.89%	
National minima (if different from Basel III)			
69	National Common Equity Tier 1 minimum ratio (if different from Basel III minimum)	5.50%	
70	National Tier 1 minimum ratio (if different from Basel III minimum)	7.00%	
71	National total capital minimum ratio (if different from Basel III minimum)	9.00%	



72	अन्य वित्तीय इकाइयों की पूँजी में गैर महत्वपूर्ण निवेश		
73	वित्तीय इकाइयों के सामान्य स्टॉक में महत्वपूर्ण निवेश		
74	बन्धक सेवा अधिकार (संबंधित कर देयता का निवल)	0	
75	अस्थाई अंतर से उत्पन्न अस्थगित कर आस्तियाँ (संबंधित कर देयता का निवल)	0	
टीअर 2 पर लागू प्रावधान सीएपी			
76	मानकीकृत अभिगम के अधीन ऋणों के संबंध में टियर 2 में शामिल करने के लिए पात्र प्रावधान (सीमा लागू करने के पूर्व)	755.66	
77	मानकीकृत अभिगम के तहत टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने के लिए सीमा	1686.39	
78	मानकीकृत अभिगम के तहत टियर 2 में प्रावधानों को शामिल करने के लिए सीमा	कुछ नहीं	
79	मानकीकृत आंतरिक रेटिंग आधारित अभिगम के तहत टियर 2 में शामिल करने के लिए प्रावधान की सीमा	कुछ नहीं	
पूँजी लिखत फेज आउट व्यवस्था (मार्च 2017 31 से मार्च 2022 31 तक ही लागू)			
80	फेज आउट व्यवस्था के अधीन सीडटी1 पर वर्तमान सीमा	0	
81	सीमा को देय सीडटी 1 में शामिल नहीं राशि (मोचन और परिपक्वता के बाद सीमा से अधिक राशि)	0	
82	फेज आउट व्यवस्था के अधीन ए टी 1 लिखत पर वर्तमान सीमा	150	
83	सीमा को देय ए टी 1 में शामिल नहीं राशि (मोचन और परिपक्वता के बाद सीमा से अधिक राशि)	660.00	
84	फेज आउट व्यवस्था के अधीन टी 2 लिखत पर वर्तमान सीमा	1652.92	
85	सीमा को देय टी 2 में शामिल नहीं राशि (मोचन और परिपक्वता के बाद सीमा से अधिक राशि)	979.38	
टेम्पलेट को नोट्स			
(रु. करोड़ों में)			
टेम्पलेट की क्रम संख्या	विवरण	राशि	
10	संचयी नुकसान के साथ संबद्ध आस्थगित कर आस्तियाँ	0	
	आस्थगित कर आस्तियाँ (संचयी नुकसान के साथ संबद्ध को छोड़कर) आस्थगित कर देयता का निवल	4217.96	
	क्रम संख्या 10 में दर्शित अनुसार योग	0.00	
टेम्पलेट की क्रम संख्या	विवरण	राशि	
19	यदि बीमा अनुषंगी में निवेश की कटौती पूँजी में से पूर्णतः नहीं काटी गयी है और बल्कि कटौती के लिए 10 की सीमा पर विचार किया गया है , बैंक की पूँजी में परिणामी वृद्धि	0	
	इसमें से : सामान्य ईक्विटी टियर 1 पूँजी में वृद्धि	0	
	इसमें से : अतिरिक्त टियर 1 पूँजी में बढ़ोत्तरी	0	
	इसमें से : टियर 2 पूँजी में बढ़ोत्तरी	0	



Amounts below the thresholds for deduction (before risk weighting)		
72	Non-significant investments in the capital of other financial entities	
73	Significant investments in the common stock of financial entities	
74	Mortgage servicing rights (net of related tax liability)	0
75	Deferred tax assets arising from temporary differences (net of related tax liability)	0
Applicable caps on the inclusion of provisions in Tier 2		
76	Provisions eligible for inclusion in Tier 2 in respect of exposures subject to standardised approach (prior to application of cap)	755.66
77	Cap on inclusion of provisions in Tier 2 under standardised approach	1686.39
78	Provisions eligible for inclusion in Tier 2 in respect of exposures subject to internal ratings-based approach (prior to application of cap)	NA
79	Cap for inclusion of provisions in Tier 2 under internal ratings-based approach	NA
Capital instruments subject to phase-out arrangements (only applicable between March 31, 2017 and March 31, 2022)		
80	Current cap on CET1 instruments subject to phase out arrangements	0
81	Amount excluded from CET1 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	0
82	Current cap on AT1 instruments subject to phase out arrangements	150
83	Amount excluded from AT1 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	660.00
84	Current cap on T2 instruments subject to phase out arrangements	1652.92
85	Amount excluded from T2 due to cap (excess over cap after redemptions and maturities)	979.38

Notes to the Template

Rs. (in crore)

Row No. of the template	Particular	Amount
10	Deferred tax assets associated with accumulated losses	0
	Deferred tax assets (excluding those associated with accumulated losses) net of Deferred tax liability	4217.96
	Total as indicated in row 10	0.00

Row No. of the template	Particular	Amount
19	If investments in insurance subsidiaries are not deducted fully from capital and instead considered under 10% threshold for deduction, the resultant increase in the capital of bank	0
	of which: Increase in Common Equity Tier 1 capital	0
	of which: Increase in Additional Tier 1 capital	0
	of which: Increase in Tier 2 capital	0



26बी	यदि गैर वित्तीय अनुषंगी की ईक्विटी पूँजी में निवेश की कटौती नहीं की गयी और उसके बाद जोखिम भार	0
	(i) सामान्य ईक्विटी टियर 1 पूँजी में वृद्धि	0
	(ii) जोखिम भारांक आस्तियों में बढ़ोत्तरी	0
50	टियर 2 पूँजी में शामिल पात्र प्रावधान	755.66
	टियर 2 पूँजी में शामिल पात्र पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ	0.0
	क्रम 50 का कुल	755.66

क्र	बेसल III के सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट का उद्धरण (अधिक कॉलम के साथ) - सूची डीएफ 11-(भाग 1 / भाग 2 जो भी लागू हो)	
	सामान्य इक्विटी तैयार 1 पूँजी : उपकरण और भंडार	(रु. करोड़ों में)
1	प्रत्यक्ष रूप से जारी उपयुक्त सामान्य शेयर (तथा गैर संयुक्त स्टॉक कंपनियों के लिए समतुल्य) पूँजी सहित संबंधित स्टॉक अधिशेष।	8919.85
2	प्रतिधारित आय	7475.13
3	संचयित अन्य व्यापक आय (तथा अन्य आरक्षितियाँ)	1678.26

क्रम सं	बेसल III का सार – सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट (अतिरिक्त कॉलम के साथ)- तालिका डीएफ -11 (भाग I / भाग II जो भी लागू हो)	
4	सीईटी 1 से बाहर चरण के अधीन जारी प्रत्यक्ष पूँजी (केवल गैर-संयुक्त स्टॉक कंपनियों पर लागू)	0.00
5	सहायक कंपनियों द्वारा जारी और तीसरे पक्ष द्वारा रखी गई सामान्य शेयर पूँजी (सीईटी 1 समूह में राशि की अनुमति)	0.00
6	विनियामक समायोजन से पहले सामान्य इक्विटी टायर 1 पूँजी	18073.23
7	प्रूडेंशियल मूल्यांकन समायोजन	-
8	साख (संबंधित कर देयता का निवल)	-

सूची डीएफ – 12

पूँजी की रचना – सामाधान आवश्यकता

(रु. करोड़ों में)

क्र	ब्योरा	वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र	नियामक विचार के दायरे के अंतर्गत तुलनपत्र
		31.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
अ	पूँजी और देयता		
1	प्रदत्त पूँजी	4890.77	4890.77
	आरक्षित तथा अधिशेष	8383.21	8383.21
	अल्पमत ब्याज	0	0
	कुल पूँजी	13273.98	13273.98



26b	If investments in the equity capital of unconsolidated non-financial subsidiaries are not deducted and hence, risk weighted then:	0
	(i) Increase in Common Equity Tier 1 capital	0
	(ii) Increase in risk weighted assets	0
50	Eligible Provisions included in Tier 2 capital	755.66
	Eligible Revaluation Reserves included in Tier 2 capital	0.00
	Total of row 50	755.66

(Rs. in crore)

S. No.	Extract of Basel III common disclosure template (with added column)- Table DF-11 (Part I / Part II whichever, applicable)	
Common Equity Tier 1 capital: instruments and reserve		
		Component of regulatory capital reported by bank
1	Directly issued qualifying common share (and equivalent for non-joint stock companies) capital plus related stock surplus	8919.85
2	Retained Earning	7475.13
3	Accumulated other comprehensive income (and other reserves)	1678.26

S. No.	Extract of Basel III common disclosure template (with added column)- Table DF-11 (Part I / Part II whichever, applicable)	
4	Directly issued capital subject to phase out from CET1 (only applicable to non-joint stock companies)	0.00
5	Common share capital issued by subsidiaries and held by third parties (amount allowed in group CET1)	0.00
6	Common Equity Tier 1 capital before regulatory adjustments	18073.23
7	Prudential valuation adjustment	-
8	Goodwill(net of related tax liability)	-

Table DF – 12

COMPOSITION OF CAPITAL-RECONCILIATION REQUIREMENTS

(Rs. in crore)

S. No.	Particulars	Balance Sheet as in financial statements	Balance sheet under regulatory scope of consolidation
		As on 31.03.2018	As on 31.03.2018
A	Capital & Liabilities		
	Paid up Capital	4890.77	4890.77
i	Reserves and Surplus	8383.21	8383.21
	Minority Interest	0	0
	Total Capital	13273.98	13273.98



	जमाएं	216831.81	216831.81
2	जिसमें से: बैंकों से जमा	13.75	13.75
	जिसमें से: ग्राहक जमा	216818.06	216818.06
	जिसमें से: अन्य	0	0
	उधार	9228.08	9228.08
3	जिसमें से: आरबीआइ से	0	0
	जिसमें से: बैंक से	0	0
	जिसमें से: अन्य संस्थाओं तथा एजेंसियों से	2117.62	2117.62
	जिसमें से: अन्य (कृपया स्पष्ट करें)	1288.16	1288.16
	जिसमें से: पूँजी लिखत	5822.30	5822.30
	4	अन्य देयताएँ तथा प्रावधान	8634.16
	कुल	247968.03	247968.03
क्र	ब्योरा	वित्तीय विवरणियों के अनुसार तुलन पत्र	नियामक विचार के दायरे के अंतर्गत तुलनपत्र
		31.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार
ब	आस्तियाँ		
1	भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकद व शेष	11579.45	11579.45
	बैंक में शेष तथा अल्प मांग पर मांग मुद्रा	14965.54	14965.54
2	निवेश	68645.94	68645.94
	जिसमें से: सरकारी प्रतिभूतियाँ	59684.53	59684.53
	जिसमें से: अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	1.34	1.34
	जिसमें से: शेयर	1201.41	1201.41
	जिसमें से: डिबेंचर तथा बाण्ड	3508.17	3508.17
	जिसमें से: जिसमें से अनुबंधित/ संयुक्त उपक्रम/ सहयोगी	193.44	193.44
	जिसमें से: अन्य (व्यावसायिक पत्र, म्यूच्युअल फंड आदि)	4057.05	4057.05
3	ऋण तथा अग्रिम	132488.82	132488.82
	जिसमें से: बैंकों को ऋण तथा अग्रिम	260.71	260.71
	जिसमें से: ग्राहकों को ऋण तथा अग्रिम	132228.11	132228.11
4	अचल आस्तियाँ	2893.43	2893.43
5	अन्य आस्तियाँ	17394.85	17394.85
	जिसमें से: साख तथा अमूर्त आस्तियाँ	0	0
	जिसमें से: आस्थगित कर आस्तियाँ	4218.03	4218.03
6	समेकन पर साख	0	0
7	लाभ व हानि खाते में ऋण शेष	0	0
	कुल	247968.03	247968.03



ii	Deposits	216831.81	216831.81
	of which : Deposit from Banks	13.75	13.75
	of which : customer deposits	216818.06	216818.06
	of which : Others	0	0
iii	Borrowings	9228.08	9228.08
	of which : From RBI	0	0
	of which : From bank	0	0
	of which : from other institutional & agencies	2117.62	2117.62
	of which : Others(pl .Specify) - Outside India	1288.16	1288.16
	of which : Capital instruments	5822.30	5822.30
iv	Other liabilities and provisions	8634.16	8634.16
	Total	247968.03	247968.03
S. No.	Particulars	Balance Sheet as in financial statements	Balance sheet under regulatory scope of consolidation
		As on 31.03.2018	As on 31.03.2018
B	Assets		
i	Cash and Balances with Reserve Bank of India	11579.45	11579.45
	Balance with bank and money at call and short notice	14965.54	14965.54
II	Investments	68645.94	68645.94
	of which: Government Securities	59684.53	59684.53
	of which: Other approved securities	1.34	1.34
	of Which :shares	1201.41	1201.41
	of which : Debentures & Bonds	3508.17	3508.17
	of which: Subsidiaries / joint Venture /Associates	193.44	193.44
	of which : other (commercial Paper, Mutual Funds etc)	4057.05	4057.05
iii	Loans and advances	132488.82	132488.82
	of which : Loans and advances to banks	260.71	260.71
	of which : Loans and advances to customers	132228.11	132228.11
iv	Fixed assets	2893.43	2893.43
v	Other assets	17394.85	17394.85
	of which : Goodwill and intangible assets	0	0
	of which : Deferred tax assets	4218.03	4218.03
vi	Goodwill on consolidation	0	0
vii	Debit balance in Profit & Loss account	0	0
	Total	247968.03	247968.03



तालिका डीएफ-13 : नियमित कैपिटल लिखतों की मुख्य विशेषताएं

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं.	विवरण	लोअर टियर II	लोअर टियर II	लोअर टियर II
		श्रृंखला XII	श्रृंखला XIII	श्रृंखला XIV
1	जारीकर्ता	पीएसयू बैंक	पीएसयू बैंक	पीएसयू बैंक
2	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूए-सआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09165	INE565A09181	INE565A09215
3	लिखत के शासकीय कानून	चैत्रै	चैत्रै	चैत्रै
	नियामक व्यवहार			
4	बेसल III नियमों का परिवर्तन काल	टियर II	टियर II	टियर II
5	बेसल III नियमों के परिवर्तन के बाद	अयोग्य	अयोग्य	अयोग्य
6	एकल / समूह / समूह @ एकल पर योग्य	एकल	एकल	एकल
7	लिखत का प्रकार	टियर II ऋण लिखत	टियर II ऋण लिखत	टियर II ऋण लिखत
8	विनियामक पूंजी में मान्यता प्राप्त राशि (हाल ही की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार रुपए करोड़ों में)	0.00	58.00	400.00
9	लिखत का बराबर मूल्य	रु.10.00 लाख	रु. 10.00 लाख	रु.10.00 लाख
10	खाता वर्गीकरण	देयता	देयता	देयता
11	जारी होने की मूल तिथि	22.08.2008	24.08.2009	31.12.2010
12	शाश्वत या दिनांकित	दिनांकित	दिनांकित	दिनांकित
13	परिपक्वता की मूल तिथि	22.08.2018	24.08.2019	31.12.2020
14	पर्यवेक्षी के अनुमोदन के अधीन जारीकर्ता का निर्णय	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
15	वैकल्पिक कोल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियां और रिडेम्प्शन राशि (रु. करोड़ों में)	निल, निल, 300	निल, निल, 290	शून्य, निल, 1000
16	आगामी कॉल तिथियां यदि लागू है तो	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	कूपन्स / लाभांश			
17	स्थिर या फ्लोटिंग लाभांश/ कूपन	स्थिर	स्थिर	स्थिर
18	कूपन दर और कोई भी संबंधित सूचकांक	कूपन रेट	कूपन रेट	कूपन रेट
19	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	नहीं	नहीं	नहीं
20	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य
21	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
22	गैर-संचयी या संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी
23	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	गैर	परिवर्तनीय	गैर
24	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण ट्रिगर (ओं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
25	यदि परिवर्तनीय, पूरी तरह से या आंशिक रूप से	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
26	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण दर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
27	यदि परिवर्तनीय, अनिवार्य या वैकल्पिक रूपांतरण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
28	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत प्रकार को परिवर्तनीय निर्दिष्ट करें	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
29	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत के जारीकर्ता को निर्दिष्ट करें जो इसे परिवर्तित करता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
30	अवलेखन सुविधा	नहीं	नहीं	नहीं
31	यदि अवलेखन, अवलेखन ट्रिगर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
32	यदि अवलेखन, आंशिक या पूर्ण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं



Table DF - 13 : MAIN FEATURES OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S. No.	Particulars	Lower Tier II	Lower Tier II	Lower Tier II
		SERIES XII	SERIES XIII	SERIES XIV
1	Issuer	PSU Bank	PSU Bank	PSU Bank
2	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09165	INE565A09181	INE565A09215
3	Governing law(s) of the instrument	Chennai	Chennai	Chennai
	<i>Regulatory treatment</i>			
4	Transitional Basel III rules	Tier II	Tier II	Tier II
5	Post-transitional Basel III rules	ineligible	ineligible	ineligible
6	Eligible at solo/group/group @ solo	Solo	Solo	Solo
7	Instrument type	Tier II debt instruments	Tier II debt instruments	Tier II debt instruments
8	Amount recognised in regulatory capital (Rs. In Crore, as of most recent reporting date)	0.00	58.00	400.00
9	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs
10	Account classification	Liability	Liability	Liability
11	Original date of issuance	22.08.2008	24.08.2009	31.12.2010
12	Perpetual or dated	dated	dated	dated
13	Original maturity date	22.08.2018	24.08.2019	31.12.2020
14	Issuer call subject to prior supervisory approval	Not applicable	Not applicable	Not applicable
15	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	nil, nil, 300	nil, nil, 290	nil, nil, 1000
16	Subsequent call dates, if applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
	<i>Coupons / dividends</i>			
17	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed	Fixed	Fixed
18	Coupon rate and any related index	Coupon rate	Coupon rate	Coupon rate
19	Existence of a dividend stopper	No	No	No
20	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory	Mandatory	Mandatory
21	Existence of step up or other incentive to redeem	Not available	Not available	Not available
22	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative	Non-cumulative	Non-cumulative
23	Convertible or non-convertible	Non-convertible	Non-convertible	Non-convertible
24	If convertible, conversion trigger(s)	N/A	N/A	N/A
25	If convertible, fully or partially	N/A	N/A	N/A
26	If convertible, conversion rate	N/A	N/A	N/A
27	If convertible, mandatory or optional conversion	N/A	N/A	N/A
28	If convertible, specify instrument type convertible into	N/A	N/A	N/A
29	If convertible, specify issuer of instrument it converts into	N/A	N/A	N/A
30	Write-down feature	No	No	No
31	If write-down, write-down trigger(s)	N/A	N/A	N/A
32	If write-down, full or partial	N/A	N/A	N/A



33	यदि अवलेखन, स्थाई या अस्थायी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
34	यदि अस्थायी अवलेखन, आलेख क्रियाविधि का विवरण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
35	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ
36	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	हाँ	हाँ	हाँ
37	यदि हां, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	बेसल III नुकसान अव-शोषण नहीं	बेसल III नुकसान अव-शोषण नहीं	बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं

तालिका डीएफ-13 : नियमित कैपिटल लिखतों की मुख्य विशेषताएं

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं	विवरण	ऊपरी टियर II श्रृंखला II	ऊपरी टियर II श्रृंखला III	ऊपरी टियर II श्रृंखला IV
1	जारीकर्ता	पीएसयू बैंक	पीएसयू बैंक	पीएसयू बैंक
2	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूए-सआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09173	INE565A09199	INE565A09223
3	लिखत के शासकीय कानून	चैत्रे	चैत्रे	चैत्रे
	नियामक समाधान			
4	बेसल III नियमों का परिवर्तन काल	टियर II	टियर II	टियर II
5	बेसल III नियमों के परिवर्तन के बाद	टियर II	टियर II	टियर II
6	एकल / समूह / समूह @ एकल पर योग्य	एकल	एकल	एकल
7	लिखत का प्रकार	ऊपरी टियर II पूंजीगत लिखत	ऊपरी टियर II पूंजीगत लिखत	ऊपरी टियर II पूंजीगत लिखत
8	विनियामक पूंजी में मान्यता प्राप्त राशि (हाल ही की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार रुपए करोड़ों में)	262.12	204.00	386.80
9	लिखत का बराबर मूल्य	₹. 10.00 लाख	₹. 10.00 लाख	₹. 10.00 लाख
10	खाता वर्गीकरण	देयता	देयता	देयता
11	जारी होने की मूल तिथि	17.09.2008	01.09.2009	10.01.2011
12	शाश्वत या दिनांकित	दिनांकित	दिनांकित	दिनांकित
13	परिपक्वता की मूल तिथि	17.09.2023	01.09.2024	10.01.2026
14	पर्यवेक्षी के अनुमोदन के अधीन जारीकर्ता का निर्णय	हाँ	हाँ	हाँ
15	वैकल्पिक क्रोल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियां और रिडे-मशन राशि (₹. करोड़ों में)	17.09.2018 655.30	शून्य 01.09.2019 510	शून्य 10.01.2021 शून्य 967
16	आगामी कॉल तिथियां यदि लागू है तो	नहीं	नहीं	नहीं
	कूपनस / लाभांश			
17	स्थिर या फ्लोटिंग लाभांश/ कूपन	स्थिर	स्थिर	स्थिर
18	कूपन दर और कोई भी संबंधित सूचकांक	कूपन रेट	कूपन रेट	कूपन रेट
19	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	नहीं	नहीं	नहीं
20	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य



33	If write-down, permanent or temporary	N/A	N/A	N/A
34	If temporary write-down, description of write-up mechanism	N/A	N/A	N/A
35	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
36	Non-compliant transitioned features	YES	YES	YES
37	If yes, specify non-compliant features	No Basel III loss Absorption	No Basel III loss Absorption	No Basel III loss Absorption

Table DF - 13 : MAIN FEATURES OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S. No.	Particulars	Upper Tier II	Upper Tier II	Upper Tier II
		SERIES II	SERIES III	SERIES IV
1	Issuer	PSU Bank	PSU Bank	PSU Bank
2	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09173	INE565A09199	INE565A09223
3	Governing law(s) of the instrument	Chennai	Chennai	Chennai
	<i>Regulatory treatment</i>			
4	Transitional Basel III rules	Tier II	Tier II	Tier II
5	Post-transitional Basel III rules	Tier II	Tier II	Tier II
6	Eligible at solo/group/group @ solo	Solo	Solo	Solo
7	Instrument type	Upper Tier II capital instrument	Upper Tier II capital instrument	Upper Tier II capital instrument
8	Amount recognised in regulatory capital (Rs. In Crore, as of most recent reporting date)	262.12	204.00	386.80
9	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs
10	Account classification	Liability	Liability	Liability
11	Original date of issuance	17.09.2008	01.09.2009	10.01.2011
12	Perpetual or dated	dated	dated	dated
13	Original maturity date	17.09.2023	01.09.2024	10.01.2026
14	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes	Yes	Yes
15	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (in Rs. Crore)	17.09.2018 655.30	nil 01.09.2019 510	10.01.2021 nil 967
16	Subsequent call dates, if applicable	No	No	No
	<i>Coupons / dividends</i>			
17	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed	Fixed	Fixed
18	Coupon rate and any related index	Coupon rate	Coupon rate	Coupon rate
19	Existence of a dividend stopper	No	No	No
20	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory	Mandatory	Mandatory



क्रम सं	विवरण	ऊपरी टियर II	ऊपरी टियर II	ऊपरी टियर II
		श्रृंखला II	श्रृंखला III	श्रृंखला IV
21	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	0.50% की वृद्धि	0.50% की वृद्धि	0.50% की वृद्धि
22	गैर-संचयी या संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी
23	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	गैर	परिवर्तनीय	गैर
24	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण ट्रिगर (ओं)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
25	यदि परिवर्तनीय, पूरी तरह से या आंशिक रूप से	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
26	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण दर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
27	यदि परिवर्तनीय, अनिवार्य या वैकल्पिक रूपांतरण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
28	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत प्रकार को परिवर्तनीय निर्दिष्ट करें	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
29	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत के जारीकर्ता को निर्दिष्ट करें जो इसे परिवर्तित करता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
30	अवलेखन सुविधा	नहीं	नहीं	नहीं
31	यदि अवलेखन, अवलेखन ट्रिगर	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
32	यदि अवलेखन, आंशिक या पूर्ण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
33	यदि अवलेखन, स्थाई या अस्थायी	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
34	यदि अस्थायी अवलेखन, आलेख क्रियाविधि का विवरण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
35	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ
36	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	हाँ	हाँ	हाँ
37	यदि हां, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	कूपन रेट में वृद्धि, बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं	कूपन रेट में वृद्धि, बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं	कूपन रेट में वृद्धि, बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं

तालिका डीएफ -13 : नियमित कैपिटल लिखतों की मुख्य विशेषताएं

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं	विवरण	सतत
		बेसल II के अनुरूप श्रृंखला IV
1	जारीकर्ता	पीएसयू बैंक
2	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूएसआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09207
3	लिखत के शासकीय कानून	चैत्रे
	नियामक समाधान	
4	बेसल III नियमों का परिवर्तन काल	अतिरिक्त टीयर I
5	बेसल III नियमों के परिवर्तन के बाद	अतिरिक्त टीयर I
6	एकल / समूह / समूह @ एकल पर योग्य	एकल
7	लिखत का प्रकार	सतत ऋण लिखत
8	विनियामक पूंजी में मान्यता प्राप्त राशि (हाल ही की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार रुपए करोड़ों में)	120.00
9	लिखत का बराबर मूल्य	रु.10.00 लाख



S. No.	Particulars	Upper Tier II	Upper Tier II	Upper Tier II
		SERIES II	SERIES III	SERIES IV
21	Existence of step up or other incentive to redeem	Step-up 0.50%	Step-up 0.50%	Step-up 0.50%
22	Non-cumulative or cumulative	Non-Cumulative	Non-Cumulative	Non-Cumulative
23	Convertible or non-convertible	Non-convertible	Non-convertible	Non-convertible
24	If convertible, conversion trigger(s)	N/A	N/A	N/A
25	If convertible, fully or partially	N/A	N/A	N/A
26	If convertible, conversion rate	N/A	N/A	N/A
27	If convertible, mandatory or optional conversion	N/A	N/A	N/A
28	If convertible, specify instrument type convertible into	N/A	N/A	N/A
29	If convertible, specify issuer of instrument it converts into	N/A	N/A	N/A
30	Write-down feature	No	No	No
31	If write-down, write-down trigger(s)	N/A	N/A	N/A
32	If write-down, full or partial	N/A	N/A	N/A
33	If write-down, permanent or temporary	N/A	N/A	N/A
34	If temporary write-down, description of write-up mechanism	N/A	N/A	N/A
35	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
36	Non-compliant transitioned features	Yes	Yes	Yes
37	If yes, specify non-compliant features	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss Absorbency	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss Absorbency	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss Absorbency

Table DF - 13 : MAIN FEATURES OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments		
S. No.	Particulars	Perpetual
		Basel II Compliant SERIES IV
1	Issuer	PSU Bank
2	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09207
3	Governing law(s) of the instrument	Chennai
	<i>Regulatory treatment</i>	
4	Transitional Basel III rules	Additional Tier I
5	Post-transitional Basel III rules	Additional Tier I
6	Eligible at solo/group/group @ solo	Solo
7	Instrument type	Perpetual Debt Instrument
8	Amount recognised in regulatory capital (Rs. In Crore, as of most recent reporting date)	120.00
9	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs



10	खाता वर्गीकरण	देयता
11	जारी होने की मूल तिथि	29.09.2009
12	शाश्वत या दिनांकित	सतत
13	परिपक्वता की मूल तिथि	सतत
14	पर्यवेक्षी के अनुमोदन के अधीन जारीकर्ता का निर्णय	हाँ
15	वैकल्पिक क्रॉल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियां और रिडेम्प्शन राशि (रु. करोड़ों में)	29.9.2019 , nil, 300
16	आगामी कॉल तिथियां यदि लागू है तो	नहीं
	कूपनस / लाभांश	
17	स्थिर या फ्लोटिंग लाभांश/ कूपन	स्थाई
18	कूपन दर और कोई भी संबंधित सूचकांक	कूपन रेट
19	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	नहीं
20	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	अनिवार्य
21	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	0.50 की वृद्धि
22	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी
23	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	गैर-संचयी
24	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण ट्रिगर (ओं)	लागू नहीं
25	यदि परिवर्तनीय, पूरी तरह से या आंशिक रूप से	लागू नहीं
26	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण दर	लागू नहीं
27	यदि परिवर्तनीय, अनिवार्य या वैकल्पिक रूपांतरण	लागू नहीं
28	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत प्रकार को परिवर्तनीय निर्दिष्ट करें	लागू नहीं
29	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत के जारीकर्ता को निर्दिष्ट करें जो इसे परिवर्तित करता है	लागू नहीं
30	अवलेखन सुविधा	नहीं
31	यदि अवलेखन, अवलेखन ट्रिगर	लागू नहीं
32	यदि अवलेखन, आंशिक या पूर्ण	लागू नहीं
33	यदि अवलेखन, स्थाई या अस्थाई	लागू नहीं
34	यदि अस्थाई अवलेखन, आलेख क्रियाविधि का विवरण	लागू नहीं



10	Account classification	Liability
11	Original date of issuance	29.09.2009
12	Perpetual or dated	Perpetual
13	Original maturity date	Perpetual
14	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
15	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	29.9.2019 , nil, 300
16	Subsequent call dates, if applicable	No
	<i>Coupons / dividends</i>	
17	Fixed or floating divined/coupon	Fixed
18	Coupon rate and any related index	Coupon rate
19	Existence of a dividend stopper	No
20	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory
21	Existence of step up or other incentive to redeem	Step-up 0.50%
22	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative
23	Convertible or non-convertible	Non-convertible
24	If convertible, conversion trigger(s)	N/A
25	If convertible, fully or partially	N/A
26	If convertible, conversion rate	N/A
27	If convertible, mandatory or optional conversion	N/A
28	If convertible, specify instrument type convertible into	N/A
29	If convertible, specify issuer of instrument it converts into	N/A
30	Write-down feature	No
31	If write-down, write-down trigger(s)	N/A
32	If write-down, full or partial	N/A
33	If write-down, permanent or temporary	N/A
34	If temporary write-down, description of write-up mechanism	N/A



क्रम सं	विवरण	सतत
		बेसल II के अनुरूप
		श्रृंखला IV
35	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	इकिटी शेयरधारकों के लिए सुपीरियर और अन्य सभी लेनदारों के दावों के अधीनस्थ
36	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	हाँ
37	यदि हां, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	कूपन रेट में वृद्धि, बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं

तालिका डीएफ -13 : नियमित कैपिटल लिखतों की मुख्य विशेषताएं

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं	विवरण	सतत बेसल III के अनुरूप श्रृंखला I
1	जारीकर्ता	पीएसयू बैंक
2	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूएसआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09231
3	लिखत के शासकीय कानून	चैत्रे
	नियामक समाधान	
4	बेसल III नियमों का परिवर्तन काल	अतिरिक्त टीयर I
5	बेसल III नियमों के परिवर्तन के बाद	अतिरिक्त टीयर I
6	एकल / समूह / समूह @ एकल पर योग्य	एकल
7	लिखत का प्रकार	सतत ऋण लिखत
8	विनियामक पूंजी में मान्यता प्राप्त राशि (हाल ही की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार रुपए करोड़ों में)	1000.00
9	लिखत का बराबर मूल्य	रु.10.00 लाख
10	खाता वर्गीकरण	देयता
11	जारी होने की मूल तिथि	04.02.2015
12	शाश्वत या दिनांकित	सतत
13	परिपक्वता की मूल तिथि	सतत
14	पर्यवेक्षी के अनुमोदन के अधीन जारीकर्ता का निर्णय	हाँ
15	वैकल्पिक क्रोल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियां और रिडेम्प्शन राशि (रु. करोड़ों में)	4.2.2020, निल, 1000
16	आगामी कॉल तिथियां यदि लागू है तो	नहीं
	कूपनस / लाभांश	
17	डीएफ 14	स्थाई
18	कूपन दर और कोई भी संबंधित सूचकांक	कूपन रेट
19	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	नहीं
20	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	पूर्णतः विवेकाधीन
21	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	उपलब्ध नहीं
22	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी
23	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	गैर-परिवर्तनीय
24	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण ट्रिगर (ओं)	लागू नहीं



Sr. No.	Particulars	Perpetual
		Basel II Compliant
		SERIES IV
35	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Superior to equity shareholders and subordinate to claims of all other creditors
36	Non-compliant transitioned features	Yes
37	If yes, specify non-compliant features	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss Absorbency

Table DF - 13 : MAIN FEATURES OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S. No.	Particulars	Perpetual Basel III Compliant SERIES I
1	Issuer	PSU Bank
2	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09231
3	Governing law(s) of the instrument	Chennai
	<i>Regulatory treatment</i>	
4	Transitional Basel III rules	Additional Tier I
5	Post-transitional Basel III rules	Additional Tier I
6	Eligible at solo/group/group @ solo	Solo
7	Instrument type	Perpetual Debt Instrument
8	Amount recognised in regulatory capital (Rs. In Crore as of most recent reporting date)	1000.00
9	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs
10	Account classification	Liability
11	Original date of issuance	04.02.2015
12	Perpetual or dated	Perpetual
13	Original maturity date	Perpetual
14	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
15	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. In Crore)	4.2.2020, nil, 1000
16	Subsequent call dates, if applicable	No
	<i>Coupons / dividends</i>	
17	DF 14	Fixed
18	Coupon rate and any related index	Coupon rate
19	Existence of a dividend stopper	No
20	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Fully discretionary
21	Existence of step up or other incentive to redeem	Not Available
22	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative
23	Convertible or non-convertible	Non-convertible
24	If convertible, conversion trigger(s)	N/A



क्रम सं	विवरण	सतत
		बेसल III के अनुरूप
		श्रृंखला I
25	यदि परिवर्तनीय, पूरी तरह से या आंशिक रूप से	लागू नहीं
26	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण दर	लागू नहीं
27	यदि परिवर्तनीय, अनिवार्य या वैकल्पिक रूपांतरण	लागू नहीं
28	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत प्रकार को परिवर्तनीय निर्दिष्ट करें	लागू नहीं
29	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत के जारीकर्ता को निर्दिष्ट करें जो इसे परिवर्तित करता है	लागू नहीं
30	अवलेखन सुविधा	उपलब्ध
31	यदि अवलेखन, अवलेखन ट्रिगर	सामान्य इक्विटी टायर 1 पूंजी अनुपात 5.5
32	यदि अवलेखन, आंशिक या पूर्ण	आंशिक रूप से या पूरी तरह से
33	यदि अवलेखन, स्थाई या अस्थायी	दोनों
34	यदि अस्थायी अवलेखन, आलेख क्रियाविधि का विवरण	बैंक अपने विवेकाधिकार पर, भविष्य में बॉन्ड को अपने मूल मूल्य पर लिख सकता है, जब यह दर्शाता है कि इसकी पूंजी स्थिति न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और आरबीआई की पूर्व स्वीकृति के मुकाबले अच्छी है।
35	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ
36	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	नहीं
37	यदि हां, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	लागू नहीं

तालिका डीएफ-13 : नियमित कैपिटल लिखतों की मुख्य विशेषताएं

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं	विवरण	सतत बेसल III टीयर II श्रृंखला I
1	जारीकर्ता	पीएसयू बैंक
2	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूएसआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09256
3	लिखत के शासकीय कानून	चेन्नै
	नियामक समाधान	
4	बेसल III नियमों का परिवर्तन काल	टीयर II
5	बेसल III नियमों के परिवर्तन के बाद	अपात्र
6	एकल / समूह / समूह @ एकल पर योग्य	एकल



S. No.	Particulars	Perpetual
		Basel III Compliant
		SERIES I
25	If convertible, fully or partially	N/A
26	If convertible, conversion rate	N/A
27	If convertible, mandatory or optional conversion	N/A
28	If convertible, specify instrument type convertible into	N/A
29	If convertible, specify issuer of instrument it converts into	N/A
30	Write-down feature	Available
31	If write-down, write-down trigger(s)	Common Equity Tier1 capital ratio 5.5
32	If write-down, full or partial	partially or fully
33	If write-down, permanent or temporary	Both
34	If temporary write-down, description of write-up mechanism	Bank solely at its discretion, may write up the bonds to its original value in future, when it demonstrates that its capital position is well above the minimum capital requirements and with the prior approval of RBI
35	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
36	Non-compliant transitional features	No
37	If yes, specify non-compliant features	Not applicable

Table DF - 13 : MAIN FEATURES OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S. No.	Particulars	Perpetual Basel III Tier II SERIES I
1	Issuer	PSU Bank
2	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09256
3	Governing law(s) of the instrument	Chennai
	<i>Regulatory treatment</i>	
4	Transitional Basel III rules	Tier II
5	Post-transitional Basel III rules	ineligible
6	Eligible at solo/group/group @ solo	Solo



क्रम सं	विवरण	सतत बेसल III टियर II श्रृंखला I
7	लिखत का प्रकार	Tier II debt instruments
8	विनियामक पूंजी में मान्यता प्राप्त राशि (हाल ही की रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार रूप करोड़ों में)	800.00
9	लिखत का बराबर मूल्य	रु.10.00 लाख
10	खाता वर्गीकरण	देयता
11	जारी होने की मूल तिथि	03.11.2016
12	शाश्वत या दिनांकित	दिनांकित
13	परिपक्वता की मूल तिथि	03.11.2026
14	पर्यवेक्षी के अनुमोदन के अधीन जारीकर्ता का निर्णय	हाँ
15	वैकल्पिक क्रोल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियां और रिडेम्प्शन राशि (रु. करोड़ों में)	शून्य, शून्य, 800
16	आगामी कॉल तिथियां यदि लागू है तो	लागू नहीं
	कूपनस / लाभांश	स्थाई
17	स्थिर या फ्लोटिंग लाभांश/ कूपन	कूपन रेट
18	कूपन दर और कोई भी संबंधित सूचकांक	नहीं
19	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	अनिवार्य
20	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	उपलब्ध नहीं
21	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	गैर संचयी
22	गैर-संचयी या संचयी	गैर-परिवर्तनीय
23	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	लागू नहीं
24	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण ट्रिगर (ओं)	स्थाई
25	यदि परिवर्तनीय, पूरी तरह से या आंशिक रूप से	लागू नहीं
26	यदि परिवर्तनीय, रूपांतरण दर	लागू नहीं
27	यदि परिवर्तनीय, अनिवार्य या वैकल्पिक रूपांतरण	लागू नहीं
28	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत प्रकार को परिवर्तनीय निर्दिष्ट करें	लागू नहीं
29	यदि परिवर्तनीय है, तो लिखत के जारीकर्ता को निर्दिष्ट करें जो इसे परिवर्तित करता है	लागू नहीं
30	अवलेखन सुविधा	हाँ
31	यदि अवलेखन, अवलेखन ट्रिगर	आरबीआई द्वारा पीओएनवी के तहत घोषणा पर
32	यदि अवलेखन, आंशिक या पूर्ण	आंशिक/ पूर्ण
33	यदि अवलेखन, स्थाई या अस्थाई	स्थाई
34	यदि अस्थाई अवलेखन, आलेख क्रियाविधि का विवरण	लागू नहीं
35	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ
36	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	नहीं
37	यदि हाँ, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	लागू नहीं

तालिका डीएफ -14 : नियमित कैपिटल इंस्ट्रुमेंट्स की नियम और शर्तें

नियामक पूंजीगत उपकरणों की मुख्य विशेषताओं के लिए प्रकटीकरण टेम्पलेट

क्रम सं	विवरण	लोअर टियर II	लोअर टियर II	लोअर टियर II
		श्रृंखला XII	श्रृंखला XIII	श्रृंखला XIV
1	विशिष्ट पहचानकर्ता (जैसे निजी प्लेसमेंट के लिए सीयूएसआईपी, आईएसआईएन या ब्लूमबर्ग पहचानकर्ता)	INE565A09165	INE565A09181	INE565A09215



S. No.	Particulars	Perpetual Basel III Tier II SERIES I
7	Instrument type	Tier II debt instruments
8	Amount recognised in regulatory capital (Rs. In Crore as of most recent reporting date)	800.00
9	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs
10	Account classification	Liability
11	Original date of issuance	03.11.2016
12	Perpetual or dated	dated
13	Original maturity date	03.11.2026
14	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
15	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. In Crore)	nil, nil, 800
16	Subsequent call dates, if applicable	Not applicable
	<i>Coupons / dividends</i>	Fixed
17	Fixed or floating dividend/coupon	Coupon rate
18	Coupon rate and any related index	No
19	Existence of a dividend stopper	Mandatory
20	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Not available
21	Existence of step up or other incentive to redeem	Non-cumulative
22	Non-cumulative or cumulative	Non-convertible
23	Convertible or non-convertible	N/A
24	If convertible, conversion trigger(s)	Fixed
25	If convertible, fully or partially	N/A
26	If convertible, conversion rate	N/A
27	If convertible, mandatory or optional conversion	N/A
28	If convertible, specify instrument type convertible into	N/A
29	If convertible, specify issuer of instrument it converts into	N/A
30	Write-down feature	yes
31	If write-down, write-down trigger(s)	Upon declaration under PONV by RBI
32	If write-down, full or partial	partial/full
33	If write-down, permanent or temporary	permanent
34	If temporary write-down, description of write-up mechanism	N/A
35	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
36	Non-compliant transitional features	No
37	If yes, specify non-compliant features	NA

Table DF - 14 : TERMS AND CONDITIONS OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S. No.	Particulars	Lower Tier II	Lower Tier II	Lower Tier II
		SERIES XII	SERIES XIII	SERIES XIV
1	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09165	INE565A09181	INE565A09215



2	लिखत का प्रकार	टियर II ऋण लिखत	टियर II ऋण लिखत	टियर II ऋण लिखत
3	लिखत के बराबर मूल्य	रु.10.00 लाख	रु.10.00 लाख	रु.10.00 लाख
4	जारीकर्ता कॉल पूर्व पर्यवेक्षी अनुमोदन के अधीन है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
5	वैकल्पिक कॉल तिथि, आकस्मिक कॉल तिथियाँ और रिडेम्पशन राशि (रुपये करोड़ में)	शून्य, शून्य, 300	शून्य, शून्य, 290	शून्य, शून्य, 1000
6	यदि लागू है तो बाद की तिथि	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
7	फिक्स्ड या फ्लोटिंग लाभांश / कूपन	स्थिर	स्थिर	स्थिर
8	कूपन दर और किसी भी संबंधित सूचकांक	कूपन रेट	कूपन रेट	कूपन रेट
9	लाभांश स्टॉपर का अस्तित्व	नहीं	नहीं	नहीं
10	पूरी तरह से विवेकपूर्ण, आंशिक रूप से विवेकाधीन या अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य
11	रिडीम करने के लिए कदम उठाने या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं
12	गैर-संचयी या संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी	गैर संचयी
13	परिवर्तनीय या गैर परिवर्तनीय	गैर	परिवर्तनीय	गैर
14	परिसमापन में अधीनता पदानुक्रम में स्थिति (लिखत के तुरंत बाद लिखत प्रकार निर्दिष्ट करें)	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ	अन्य सभी लेनदारों और जमाकर्ताओं के दावों के अधीनस्थ
15	गैर अनुपालन संक्रमण सुविधाओं	हाँ	हाँ	हाँ
16	यदि हाँ, तो गैर-अनुरूप विशेषताएं निर्दिष्ट करें	बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं	बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं	बेसल III नुकसान अवशोषण नहीं

तालिका डीएफ 14: विनियामक पूंजी लिखतों के लिए नियम व शर्तें

विनियामक पूंजी लिखतों के प्रमुख तत्वों का प्रकटीकरण टेम्पलेट

.सं .क्र	विवरण	उच्च टियर II	उच्च टियर II	उच्च टियर II
		श्रृंखला II	श्रृंखला III	श्रृंखला IV
1	विशिष्ट परिज्ञापक (जैसे कुसिप, आइएसआइएन अथवा निजी नियोजन के लिए ब्लूमबर्ग परिज्ञापक)	आइएनई565ए09173	आइएनई565ए09199	आइएनई565ए09223
2	लिखत प्रकार	उच्च टियर II पूंजी लिखत	उच्च टियर II पूंजी लिखत	उच्च टियर II पूंजी लिखत
3	लिखतों का समतुल्य मूल्य	रू10 लाख	रू10 लाख	रू10 लाख
4	पूर्व पर्यवेक्षण अनुमोदन की शर्त पर जारीकर्ता मांग	हाँ	हाँ	हाँ
5	वैकल्पिक मांग तिथि, संभाव्य मांग तिथियाँ एवं रियायत राशि (रू. करोड़ में)	17.09.2018 शून्य 655.30	01.09.2019 शून्य 510	10.01.2021 शून्य 967
6	अनुवर्ती माँग तिथियाँ, यदि लागू हो	नहीं	नहीं	नहीं
7	नश्चिति या चल लाभांश /कूपन	निश्चित	निश्चित	निश्चित
8	कूपन दर और कोई संबंधित तालिका	कूपन दर	कूपन दर	कूपन दर
9	लाभांश अवरोधक की मौजूदगी	नहीं	नहीं	नहीं
10	पूर्ण विवेकाधिकार, आंशिक विवेकाधिकार या अनिवार्य विवेकाधिकार	अनिवार्य	अनिवार्य	अनिवार्य



2	Instrument type	Tier II debt instruments	Tier II debt instruments	Tier II debt instruments
3	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs
4	Issuer call subject to prior supervisory approval	Not applicable	Not applicable	Not applicable
5	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	nil, nil, 300	nil, nil, 290	nil, nil, 1000
6	Subsequent call dates, if applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
7	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed	Fixed	Fixed
8	Coupon rate and any related index	Coupon rate	Coupon rate	Coupon rate
9	Existence of a dividend stopper	No	No	No
10	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory	Mandatory	Mandatory
11	Existence of step up or other incentive to redeem	Not available	Not Available	Not available
12	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative	Non-cumulative	Non-cumulative
13	Convertible or non-convertible	Non-convertible	Non-convertible	Non-convertible
14	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
15	Non-compliant transitioned features	YES	YES	YES
16	If yes, specify non-compliant features	No Basel III loss Absorption	No Basel III loss Absorption	No Basel III loss Absorption

Table DF - 14 : TERMS AND CONDITIONS OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S No.	Particulars	Upper Tier II	Upper Tier II	Upper Tier II
		SERIES II	SERIES III	SERIES IV
1	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09173	INE565A09199	INE565A09223
2	Instrument type	Upper Tier II capital instrument	Upper Tier II capital instrument	Upper Tier II capital instrument
3	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs	Rs.10.00 lakhs
4	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes	Yes	Yes
5	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (in Rs. Crore)	17.09.2018 655.30 nil	01.09.2019 510 nil	10.01.2021 nil 967
6	Subsequent call dates, if applicable	No	No	No
7	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed	Fixed	Fixed
8	Coupon rate and any related index	Coupon rate	Coupon rate	Coupon rate
9	Existence of a dividend stopper	No	No	No
10	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory	Mandatory	Mandatory
11	Existence of step up or other incentive to redeem	Step-up	Step-up	Step-up



11	क्षतिपूर्ति करने के लिए लिए उन्नयन या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	स्टेप-अप	स्टेप-अप	स्टेप-अप
12	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी	गैर-संचयी	गैर-संचयी
13	संपरिवर्तनीय या गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय
14	परिसमापन में गौण पदानुक्रम की स्थिति (लिखित के तुरन्त वरिष्ठ का लिखत प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन	सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन	सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन
15	अननुपालन संक्रमण विशेषताएँ	हाँ	हाँ	हाँ
16	यदि हाँ तो अननुपालन विशेषताएँ विनिर्दिष्ट करें	कूपन दर में वृद्धि, बासल III का अवशोषण नहीं	कूपन दर में वृद्धि, बासल III का अवशोषण नहीं	कूपन दर में वृद्धि, बासल III का अवशोषण नहीं

तालिका डीएफ 14: विनियामक पूंजी लिखतों के लिए नियम व शर्तें

विनियामक पूंजी लिखतों के प्रमुख तत्वों का प्रकटीकरण टेपलेट

क्र. सं.	विवरण	बेमियादी	
		बेसल II अनुपालन	श्रृंखला IV
1	परिसमापन में गौण पदानुक्रम की स्थिति (लिखित के तुरन्त वरिष्ठ का लिखत प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	आइएनई 565ए09207	
2	लिखत प्रकार	सतत ऋण लिखत	
3	लिखतों का समतुल्य मूल्य	रू10 लाख	
4	सतत या दिनांकित	बेमियादी	
5	वास्तविक परिपक्वता तिथि	बेमियादी	
6	पूर्व पर्यवेक्षण अनुमोदन की शर्त पर जारीकर्ता मांग	हाँ	
7	वैकल्पिक मांग तिथि, संभाव्य मांग तिथियाँ एवं रियायत राशि (रू.करोड़ में)	शून्य, शून्य, 300	
8	निश्चित या चल लाभांश/कूपन	निश्चित	
9	लाभांश अवरोधक की मौजूदगी	नहीं	
10	पूर्ण विवेकाधिकार, आंशिक विवेकाधिकार या अनिवार्य	अनिवार्य	
11	क्षतिपूर्ति करने के लिए लिए उन्नयन या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	स्टेप-अप	
12	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी	
13	संपरिवर्तनीय या गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय	
14	परिसमापन में गौण पदानुक्रम की स्थिति (लिखित के तुरन्त वरिष्ठ का लिखत प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	ईकिटी शेयरधारकों से बेहतर और सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन	
15	अननुपालन संक्रमण विशेषताएँ	हाँ	
16	यदि हाँ तो अननुपालन विशेषताएँ विनिर्दिष्ट करें	कूपन दर में वृद्धि, बासल III का अवशोषण नहीं	

तालिका डीएफ 14: विनियामक पूंजी लिखतों के लिए नियम व शर्तें

विनियामक पूंजी लिखतों के प्रमुख तत्वों का प्रकटीकरण टेपलेट

क्र. सं.	विवरण	बेमियादी	
		बेसल III अनुपालन टियर II	श्रृंखला I
1	विशिष्ट परिज्ञापक (जैसे कुसिप, आइएसआइएन अथवा निजी नियोजन के लिए ब्लूमबर्ग परिज्ञापक)	आइएनई 565ए09231	
2	लिखत प्रकार	ऋण लिखत	



12	Non-cumulative or cumulative	Non-Cumulative	Non-Cumulative	Non-Cumulative
13	Convertible or non-convertible	Non-convertible	Non-convertible	Non-convertible
14	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
15	Non-compliant transitioned features	yes	yes	yes
16	If yes, specify non-compliant features	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss absorbency	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss absorbency	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss absorbency

Table DF - 14 : TERMS AND CONDITIONS OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S No.	Particulars	Perpetual
		Basel II Compliant
		SERIES IV
1	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09207
2	Instrument type	Perpetual Debt Instrument
3	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs
4	Perpetual or dated	Perpetual
5	Original maturity date	Perpetual
6	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
7	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	nil, nil, 300
8	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed
9	Existence of a dividend stopper	No
10	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Mandatory
11	Existence of step up or other incentive to redeem	Step-up
12	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative
13	Convertible or non-convertible	Non-convertible
14	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Superior to equity shareholders and subordinate to claims of all other creditors
15	Non-compliant transitioned features	Yes
16	If yes, specify non-compliant features	Step-Up in coupon rate, No Basel III loss absorbency

Table DF - 14 : TERMS AND CONDITIONS OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

S No.	Particulars	Perpetual
		Basel III Compliant
		SERIES I
1	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09231
2	Instrument type	Perpetual Debt Instrument



3	लिखतों का समतुल्य मूल्य	रू. 10 लाख
4	सतत या दिनांकित	दिनांकित
5	वास्तविक परिपक्वता तिथि	03.11.2026
6	पूर्व पर्यवेक्षण अनुमोदन की शर्त पर जारीकर्ता मांग	हाँ
7	वैकल्पिक माँग तिथि, संभाव्य मांग तिथियाँ एवं रियायत राशि (रू. करोड़ में)	शून्य, शून्य, 800
8	निश्चित या चल लाभांश/कूपन	निश्चित
9	लाभांश अवरोधक की मौजूदगी	नहीं
10	पूर्ण विवेकाधिकार, आंशिक विवेकाधिकार या अनिवार्य	पूर्ण विवेकाधिकार
11	क्षतिपूर्ति करने के लिए उन्नयन या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	उपलब्ध नहीं
12	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी
13	संपरिवर्तनीय या गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय
14	परिसमापन में गौण पदानुक्रम की स्थिति (लिखित के तुरन्त वरिष्ठ का लिखत प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन
15	अननुपालन संक्रमण विशेषताएँ	नहीं
16	यदि हाँ तो अननुपालन विशेषताएँ विनिर्दिष्ट करें	लागू नहीं

तालिका डीएफ 14: विनियामक पूंजी लिखतों के लिए नियम व शर्तें

विनियामक पूंजी लिखतों के प्रमुख तत्वों का प्रकटीकरण टेपलेट

क्र. सं.	विवरण	बेमियादी
		बेसल III अनुपालन
		श्रृंखला I
1	विशिष्ट परिज्ञापक (जैसे कुसिपू, आइएसआइएन अथवा निजी नियोजन के लिए ब्लूमबर्ग परिज्ञापक)	आइएनई 565ए09231
2	लिखत प्रकार	सतत ऋण लिखत
3	लिखतों का समतुल्य मूल्य	रू. 10 लाख
4	सतत या दिनांकित	सतत
5	वास्तविक परिपक्वता तिथि	सतत
6	पूर्व पर्यवेक्षण अनुमोदन की शर्त पर जारीकर्ता मांग	हाँ
7	वैकल्पिक माँग तिथि, संभाव्य मांग तिथियाँ एवं रियायत राशि (रू. करोड़ में)	शून्य, शून्य, 1000
8	निश्चित या चल लाभांश/कूपन	निश्चित
9	लाभांश अवरोधक की मौजूदगी	नहीं
10	पूर्ण विवेकाधिकार, आंशिक विवेकाधिकार या अनिवार्य	पूर्ण विवेकाधिकार
11	क्षतिपूर्ति करने के लिए उन्नयन या अन्य प्रोत्साहन की मौजूदगी	उपलब्ध नहीं
12	गैर-संचयी या संचयी	गैर-संचयी
13	संपरिवर्तनीय या गैर-संपरिवर्तनीय	गैर-संपरिवर्तनीय
14	परिसमापन में गौण पदानुक्रम की स्थिति (लिखित के तुरन्त वरिष्ठ का लिखत प्रकार विनिर्दिष्ट करें)	सभी अन्य लेनदारों एवं जमाकर्ताओं के दावों के अधीन
15	अननुपालन संक्रमण विशेषताएँ	नहीं
16	यदि हाँ तो अननुपालन विशेषताएँ विनिर्दिष्ट करें	लागू नहीं



3	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs
4	Perpetual or dated	Perpetual
5	Original maturity date	Perpetual
6	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
7	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	nil, nil, 1000
8	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed
9	Existence of a dividend stopper	No
10	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Full Discretionary
11	Existence of step up or other incentive to redeem	Not available
12	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative
13	Convertible or non-convertible	Non-convertible
14	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
15	Non-compliant transitioned features	No
16	If yes, specify non-compliant features	Not applicable

Table DF - 14 : TERMS AND CONDITIONS OF REGULATORY CAPITAL INSTRUMENTS

Disclosure template for main features of regulatory capital instruments

Sr. No.	Particulars	Perpetual
		Basel III Compliant Tier II
		SERIES I
1	Unique identifier (e.g. CUSIP, ISIN or Bloomberg identifier for private placement)	INE565A09256
2	Instrument type	Debt Instrument
3	Par value of instrument	Rs.10.00 lakhs
4	Perpetual or dated	Dated
5	Original maturity date	03.11.2026
6	Issuer call subject to prior supervisory approval	Yes
7	Optional call date, contingent call dates and redemption amount (Rs. in Crore)	nil, nil, 800
8	Fixed or floating dividend/coupon	Fixed
9	Existence of a dividend stopper	No
10	Fully discretionary, partially discretionary or mandatory	Full Discretionary
11	Existence of step up or other incentive to redeem	Not available
12	Non-cumulative or cumulative	Non-cumulative
13	Convertible or non-convertible	Non-convertible
14	Position in subordination hierarchy in liquidation (specify instrument type immediately senior to instrument)	Subordinate to claims of all other creditors and depositors
15	Non-compliant transitioned features	No
16	If yes, specify non-compliant features	Not applicable



टेबल डीएफ16-

इक्विटी - बैंकिंग बही स्थिति के लिए प्रकटीकरण

गुणात्मक प्रकटीकरण

	विनियामक दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंक का इक्विटी पोर्टफोलियो का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :
	बिक्री के लिए उपलब्ध और ट्रेडिंग प्रवर्ग के लिए धारित इक्विटी शेयरों के लिए
1	<ul style="list-style-type: none"> ➤ सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन अंतिम बाज़ार दरों पर किया जाता है अर्थात बाज़ार को मार्क किए हुए ➤ असूचीबद्ध इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन उपलब्ध अंतिम तुलन पत्र से प्राप्त बही मूल्यों के आधार पर किया जाता है। यदि तुलन-पत्र उपलब्ध नहीं है तो उसे प्रति कंपनी 1 पर मूल्यांकित किया जाता है।
	परिपक्वता प्रवर्ग तक धारित इक्विटी शेयरों के लिए
	➤ परिपक्वता प्रवर्ग तक धारित इक्विटी शेयरों के लिए मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

प्रमाणात्मक प्रकटीकरण

(रू.करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	राशि
1	निवेशों के तुलन पत्र में प्रकटित मूल्य के साथ-साथ उन निवेशों का उचित मूल्य ; कोट किए हुए प्रतिभूतियों के लिए सार्वजनिक रूप से कोट किए हुए शेयरों की तुलना जहाँ शेयर कीमत उचित मूल्य से भिन्न है।	468.89*
2	निम्नानुसार वर्गीकृत की जा सकने वाली राशि के साथ निवेशों के प्रकार व स्वरूप : सार्वजनिक रूप से ट्रेड होनेवाले निजी रूप से धारित	1469.58 778.54
3	रिपोर्टिंग अवधि में समापन व वित्तिक से प्राप्त संचयित लाभ (हानि) (01.04.2017 से 31.03.2018)	7.20
4	न उगाहे गए कुल लाभ (हानि)	0.00
5	कुल निहित पुनर्मूल्यांकन लाभ (हानि)	0.00
6	टियर I व / या टियर 2 पूंजी में सम्मिलित उपर्युक्त कोई भी राशि	0.00
7	विनियामक पूंजीगत अपेक्षाओं के संबंध में प्रावधानों के पर्यवेक्षी संकमण की शर्त पर इक्विटी निवेशों के प्रकार व सकल राशि के साथ-साथ बैंक की पद्धतियों के अनुसार इक्विटी समूहन द्वारा काटी गयी पूंजीगत अपेक्षाएं	0.00

* का तात्पर्य सभी सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के अंतिम बाज़ार मूल्य से है।

डीएफ तालिका 17

लेखांकन आस्तियां तथा लिवरेज अनुपात एक्सपोज़र उपायों का तुलनात्मक सारांश

(रू.करोड़ में)

क्र.सं.	मदें	राशि
1	प्रकाशित वित्तीय विवरणों के अनुसार कुल समेकित आस्तियां	244442
2	बैंकिंग में निवेश हेतु समायोजन, वित्तीय, बीमा अथवा कारोबारी इकाइयां जो कि लेखांकन उद्देश्य से समेकित की गई हैं किंतु नियामक समेकन के विस्तार के बाहर हैं	289
3	परिचालित लेखांकन फ्रेमवर्क के आधार पर किंतु लिवरेज अनुपात मानक से बाहर तुलनपत्र पर पहचानी गई प्रत्ययी आस्तियों के लिए समायोजन	0
4	व्युत्पन्न वित्तीय लिखतों के लिए समायोजन	1137
5	प्रतिभूतित वित्तीय लेनदेनों के लिए समायोजन (जैसे कि रेपो एवं समान सुरक्षित उधार)	12800



Table DF - 16

EQUITIES – DISCLOSURE FOR BANKING BOOK POSITIONS

Qualitative Disclosure

1	<p>As per regulatory guidelines, the Equity portfolio of Bank is valued as under:</p> <p><u>For Equity Shares held in Available For Sale and Held For Trading category</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ Listed Equity Shares are valued at latest Market Rates i.e. Marked to Market. ➤ Unlisted Equity Shares are valued at Book value ascertained from the latest available balance-sheets. If the balance-sheet is not available, then the same are valued at Re.1/- per company. <p><u>For Equity Shares held in Held till Maturity category</u></p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ Equity shares held in Held till Maturity category are valued at cost.
---	--

Quantitative disclosure:

(Rs. in crore)

Sr. No.	Particulars	Amount
1	Value disclosed in the balance sheet of investments, as well as the fair value of those investments; for quoted securities, a comparison to publicly quoted share values where the share price is materially different from fair value	468.89*
2	The types and nature of investments, including the amount that can be classified as: <ul style="list-style-type: none"> • Publicly traded • Privately held 	1469.58 778.54
3	The cumulative realised gains (losses) arising from sales and liquidations in the reporting period (01.04.2017 to 31.03.2018)	7.20
4	Total unrealised gains (losses)	0.00
5	Total latent revaluation gains (losses)	0.00
6	Any amounts of the above included in Tier 1 and/or Tier 2 capital	0.00
7	Capital requirements broken down by appropriate equity groupings, consistent with the bank's methodology, as well as the aggregate amounts and the type of equity investments subject to any supervisory transition or grandfathering provisions regarding regulatory capital requirements	0.00

* Indicates the latest market value of all the quoted equity shares.

Table DF - 17

SUMMARY COMPARISON OF ACCOUNTING ASSETS VS. LEVERAGE RATIO EXPOSURE MEASURE

(Rs. in crore)

Sr. No.	Item	Amount
1	Total consolidated assets as per published financial statements	244442
2	Adjustment for investments in banking, financial, insurance or commercial entities that are consolidated for accounting purposes but outside the scope of regulatory consolidation	289
3	Adjustment for fiduciary assets recognised on the balance sheet pursuant to the operative accounting framework but excluded from the leverage ratio exposure measure	0
4	Adjustments for derivative financial instruments	1137
5	Adjustment for securities financing transactions (i.e. repos and similar secured lending)	12800



6	तुलनपत्र से परे की मदों के लिए समायोजन (तुलनपत्र एक्सपोजर से परे समतुल्य क्रेडिट राशियों में परिवर्तन)	15557
7	अन्य समायोजन	23225
8	लिवरेज अनुपात एक्सपोजर	250422

डीएफ तालिका 18		
लेवरेज अनुपात सामान्य प्रकटीकरण टेम्पलेट		
		(रू. करोड़ में)
क्र. सं.	मदें	लिवरेज अनुपात फ्रेम वर्क
1	तुलनपत्र की मदें (डेरीवेटिव एवं एसएफटी को छोड़कर किंतु संपार्श्विकों सहित)	244442
2	(बेसल III टायर 1 पूंजी निर्धारित करने में कटौती की गई आस्ति राशियां)	23514
3	तुलनपत्र में कुल एक्सपोजर (डेरीवेटिव एवं एसएफटी को छोड़कर) (1 एवं 2 पंक्तियों का योग)	220928
डेरीवेटिव एक्सपोजर		
4	सभी डेरीवेटिव लेनदेनों के साथ संबद्ध प्रतिस्थापना मूल्य (जैसे कि पात्र नकदी भिन्नता मार्जिन का निवल)	214
5	सभी व्युत्पन्न लेनदेनों के साथ पीएफई संबद्ध हेतु अतिरिक्त राशियां	923
6	जहां परिचालित लेखांकन फ्रेमवर्क के आधार पर तुलन पत्र आस्तियों से कटौतियां की गई हैं वहां डेरीवेटिव संपार्श्विक के लिए ग्रांस	---
7	(डेरीवेटिव लेनदेनों में प्रदत्त नकदी विचलन मार्जिन के लिए प्राप्य आस्तियों की कटौतियां)	---
8	(ग्राहक-निपटान कारोबार एक्सपोजर से सीसीपी लेग की छूट)	---
9	लिखे हुए क्रेडिट डेरीवेटिव के लिए अनुमानित राशि का प्रभावी समायोजन	---
10	(बेसल III टायर 1 पूंजी निर्धारित करने में कटौती की गई आस्ति राशियां)	---
11	कुल डेरीवेटिव एक्सपोजर 4) से 10 पंक्तियों का योग)	1137
प्रतिभूति वित्तीय लेनदेन एक्सपोजर		
12	(बिक्री खाता लेनदेनों के लिए समायोजित करने के बाद सकल एसएफटी आस्तियां नेटिंग की कोई मान्यता नहीं है)	---
13	(सकल एसएफटी आस्तियों की नकद प्राप्तियों तथा नकद देयताओं की निवल राशि)	---
14	एसएफटी आस्तियों के लिए सीसीआर एक्सपोजर	12800
15	एजेंट लेन-देन एक्सपोजर	---
16	कुल प्रतिभूतित वित्तीय लेनदेन एक्सपोजर (12 से 15 पंक्तियों का योग)	12800
तुलनपत्र से परे अन्य मदें		
17	सकल अनुमानित राशि पर तुलनपत्र से परे एक्सपोजर	25928
18	(क्रेडिट समतुल्य राशियों के परिवर्तन के लिए समायोजन)	10371
19	तुलनपत्र से परे मदें (17 तथा 18 पंक्तियों का योग)	15557
पूंजी एवं कुल एक्सपोजर		
20	टियर 1 पूंजी	9666
21	कुल एक्सपोजर (3,11,16 तथा 19 पंक्तियों का योग)	250422
लिवरेज अनुपात		
22	बेसल III लिवरेज अनुपात	3.86%



6	Adjustment for off-balance sheet items (i.e. conversion to credit equivalent amounts of off-balance sheet exposures)	15557
7	Other adjustments	23225
8	Leverage ratio exposure	250422

Table DF - 18

LEVERAGE RATIO COMMON DISCLOSURE TEMPLATE

(Rs. in crore)

Sr. No.	Item	Leverage ratio framework
1	On-balance sheet items (excluding derivatives and SFTs, but including collateral)	244442
2	(Asset amounts deducted in determining Basel III Tier 1 capital)	23514
3	Total on-balance sheet exposures (excluding derivatives and SFTs) (sum of lines 1 and 2)	220928
Derivative exposures		
4	Replacement cost associated with all <i>derivatives</i> transactions (i.e. net of eligible cash variation margin)	214
5	Add-on amounts for PFE associated with <i>all</i> derivatives transactions	923
6	Gross-up for derivatives collateral provided where deducted from the balance sheet assets pursuant to the operative accounting framework	--
7	(Deductions of receivables assets for cash variation margin provided in derivatives transactions)	--
8	(Exempted CCP leg of client-cleared trade exposures)	--
9	Adjusted effective notional amount of written credit derivatives	--
10	(Adjusted effective notional offsets and add-on deductions for written credit derivatives)	--
11	Total derivative exposures (sum of lines 4 to 10)	1137
Securities financing transaction exposures		
12	Gross SFT assets (with no recognition of netting), after adjusting for sale accounting transactions	--
13	(Netted amounts of cash payables and cash receivables of gross SFT assets)	--
14	CCR exposure for SFT assets	12800
15	Agent transaction exposures	--
16	Total securities financing transaction exposures (sum of lines 12 to 15)	12800
Other off-balance sheet exposures		
17	Off-balance sheet exposure at gross notional amount	25928
18	(Adjustments for conversion to credit equivalent amounts)	10371
19	Off-balance sheet items (sum of lines 17 and 18)	15557
Capital and total exposures		
20	Tier 1 capital	9666
21	Total exposures (sum of lines 3, 11, 16 and 19)	250422
Leverage ratio		
22	Basel III leverage ratio	3.86%